दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

वर्षः 5 : अंकः 90 | ग्वालियर,बुधवार 17 दिसम्बर 2025 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

नाम की जंग में गांवों की रोजी दांव पर..

मनरेगा में एक और सियासी घमासान.. गांधी हटेंगे और होगी 'राम' की एंट्री!

20 साल पुराने रोजगार कानून को हटाने की तैयारी, संसद से गांव तक सियासी तूफान

केंद्र सरकार का बड़ा प्रयोग लेकिन विपक्ष खुलकर विरोध में उतरा

नाम बदलने से भड़का विपक्ष, बोला—यह सुधार नहीं

विचारधारा की लड़ाई, सरकार बोली—रोजगार रहेगा, कहा-125 दिनों की मजदूरी वाली नौकरी की मिलेगी कानूनी गारंटी

नई दिल्ली।

देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना 'मनरेगा' एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गई है। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सामने आए संकेतों के बाद यह लगभग साफ हो गया है कि केंद्र सरकार 2005 से लागू इस कानून को हटाकर उसकी जगह एक नया ग्रामीण रोजगार और आजीविका कानून लाने की दिशा में गंभीरता से आगे बढ़ रही है। यह बदलाव सिर्फ एक योजना के नाम या ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे ग्रामीण भारत में रोजगार के अधिकार, सामाजिक सुरक्षा और सरकार की भूमिका को लेकर एक नई बहस खड़ी हो गई है।

सरकार की प्रस्तावित मंशा के अनुसार मनरेगा की जगह एक नया कानून लाया जा सकता है, जिसे 'विकसित भारत रोजगार व आजीविका गारंटी मिशन' (वी भारत-राम) जैसे नाम से पेश किए जाने की चर्चा है। सरकार का तर्क है कि बीते दो दशकों में ग्रामीण भारत की जरूरतें बदली हैं और अब सिर्फ मजदूरी आधारित कार्यों से आगे बढ़कर स्थायी आजीविका, बुनियादी ढांचे और जलवायु अनुकूल विकास को रोजगार से जोड़ना जरूरी हो गया है। इसी सोच के तहत नए कानून में ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, जल संरक्षण, सिंचाई, जलापूर्ति और पर्यावरण से जुड़े बड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही जा रही है। हालांकि इस पूरे प्रस्ताव का सबसे संवेदनशील और विवादास्पद

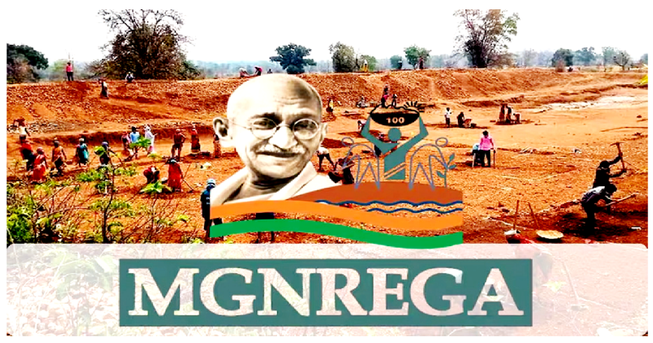

पहलू मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाया जाना है। जैसे ही यह संकेत सामने आया, संसद में विपक्ष ने सरकार पर तीखा हमला बोल दिया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि यह कदम प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक सोची-समझी राजनीतिक और वैचारिक रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए एक अधिकार आधारित योजना की आत्मा को कमजोर किया जा रहा है। विपक्ष का कहना है कि मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों के लिए कानूनी सुरक्षा कवच है, जिसने सूखा, महामारी और आर्थिक संकट जैसे समय में करोड़ों परिवारों को भूख से बचाया है।

सरकार का तर्क-रोजगार गारंटी खत्म नहीं होगी, बल्कि बढ़ेगी रोजगार सीमा

सरकार के पक्ष में यह दलील दी जा रही है कि रोजगार की गारंटी को खत्म नहीं किया जा रहा, बल्कि उसे और व्यापक रूप दिया जा रहा है। नए कानून में सालाना 100 दिन की रोजगार सीमा को बढ़ाकर 125 दिन तक ले जाने जैसे प्रस्ताव भी चर्चा में हैं। सरकार का दावा है कि इससे ग्रामीण परिवारों की आय में बढ़ोतरी होगी और गांवों में पलायन पर भी लगाम लगेगी। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि असली सवाल रोजगार के दिनों का नहीं, बल्कि उसके कानूनी अधिकार का है। यदि पुराने कानून को निरस्त किया गया, तो यह आशंका बनी रहेगी कि भविष्य में रोजगार की गारंटी सरकार की इच्छा पर निर्भर हो सकती है, न कि कानून के तहत बाध्यकारी अधिकार के रूप में।

बीते दो दशकों से देश के लाखों ग्रामीण परिवारों के लिए मनरेगा है जीवनरेखा

इस राजनीतिक घमासान के बीच जमीनी हकीकत यह है कि मनरेगा आज भी लाखों ग्रामीण परिवारों के लिए जीवनरेखा बना हुआ है। कई राज्यों में योजना के तहत रिकॉर्ड रोजगार सृजन के दावे किए जा रहे हैं और बड़ी संख्या में परिवारों को इससे सीधा लाभ मिल रहा है। यही वजह है कि किसी भी बदलाव को लेकर ग्रामीण इलाकों में भी आशंका और उत्सुकता दोनों साथ-साथ दिखाई दे रही हैं। ग्रामीण मजदूरों के लिए यह सिर्फ एक नीति परिवर्तन नहीं, बल्कि उनके रोजमर्रा के जीवन और आजीविका से जुड़ा फैसला है। साल 2005 में लागू मनरेगा को दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में गिना जाता है। यदि सरकार इसे समाप्त कर नया कानून लाती है, तो यह ग्रामीण भारत के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो सकता है—या फिर एक बड़े सामाजिक जोखिम की शुरुआत भी।

गांधी जी को अपने ही देश में मिटाने की साजिशः पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत

नए विधेयक का नाम 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (विकसित भारत- जी राम जी) विधेयक, 2025 होगा। अब इस मामले पर विपक्ष की प्रतिक्रिया भी आ रही है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर सरकार पर निशाना साधा है। गहलोत ने लिखा, 'मनरेगा का नाम बदलने की केंद्र सरकार की कवायद महात्मा गांधी के प्रति उनकी ओछी मानसिकता और असम्मान का प्रमाण है। सरकार पहले 'पूज्य बापू' के नाम का शिगूफा छोड़ती है और फजीहत होने पर अब विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन जैसा नाम थोपना चाहती है। बार-बार नाम बदलने की यह बेचैनी सरकार के अपराधबोध को दर्शाती है।' उन्होंने आगे लिखा, 'एक ओर रूसी राष्ट्रपति पुतिन और जी-20 के तमाम राष्ट्राध्यक्ष राजघाट जाकर बापू को नमन करते हैं, आजादी के बाद से ही जो राष्ट्राध्यक्ष आते हैं वो राजघाट जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिससे विश्व पटल पर गांधी जी का कद पता चलता है। वहीं दूसरी ओर, अपने ही देश में उन्हें मिटाने की साजिश हो रही है।'

विपक्ष का हमला—'योजना नहीं बल्कि छीना जा रहा रोजगार का अधिकार'

विपक्ष इस पूरे प्रस्ताव को ग्रामीण गरीबों के खिलाफ बता रहा है। कांग्रेस और अन्य दलों का कहना है कि मनरेगा सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि संसद द्वारा दिया गया कानूनी अधिकार है। विपक्ष का आरोप है कि नए कानून के जरिए सरकार इस अधिकार को कमजोर करना चाहती है। महात्मा गांधी का नाम हटाने को लेकर भी विपक्ष ने सरकार पर वैचारिक एजेंडा चलाने का आरोप लगाया है। संसद में विपक्षी नेताओं ने कहा कि मनरेगा ने सूखा, कोरोना काल और आर्थिक संकट के समय करोड़ों परिवारों को भुखमरी से बचाया और अब उसी सुरक्षा कवच को हटाने की तैयारी की जा रही है।

नए प्रस्तावित कानून में कई अन्य कार्य जोड़े जाएंगे, रुकेगा पलायन

केंद्र सरकार का कहना है कि मनरेगा अपने समय की जरूरतों के हिसाब से एक सफल कानून रहा है, लेकिन अब ग्रामीण भारत की चुनौतियां बदल चुकी हैं। सरकार का तर्क है कि केवल मजदूरी आधारित कार्यों से आगे बढ़कर अब रोजगार को स्थायी आजीविका से जोड़ने की जरूरत है। इसी सोच के तहत नए प्रस्तावित कानून में ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास, जल संरक्षण, सिंचाई, ग्रामीण सड़कों, पेयजल परियोजनाओं और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यों को रोजगार के साथ जोड़ा जाएगा।

राम मंदिर आंदोलन से जुड़े डॉ. रामविलास वेदांती का निधन

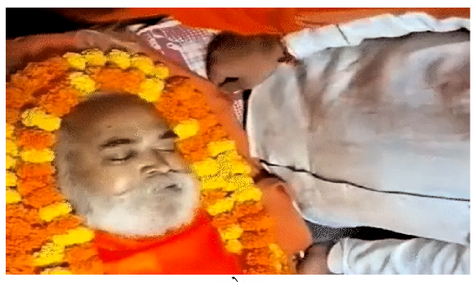

अयोध्या।

राम मंदिर आंदोलन के संत और पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती का सोमवार को निधन हो गया। उन्होंने मध्यप्रदेश के रीवा में दोपहर 12.20 बजे अंतिम सांस ली। वे 67 साल के थे। वेदांती की रीवा में रामकथा चल रही थी। इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। दो दिन से उनका इलाज रीवा के एक हॉस्पिटल में चल रहा था। सोमवार सुबह तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। उन्हें एयर लिफ्ट करके भोपाल एम्स ले जाने की तैयारी थी। एयर एम्बुलेंस पहुंच भी गई, लेकिन कोहरे की वजह से लैंड नहीं कर सकी। महाराजजी का पार्थिव शरीर अयोध्या लाया जा रहा। महाराज जी की अंतिम यात्रा अयोध्या के हिंदू धाम से मंगलवार सुबह निकलेगी और राम मंदिर तक जाएगी। सरयू तट पर सुबह 10 बजे उन्हें जल समाधि दी जाएगी। अंतिम दर्शन के लिए देशभर से संत आएंगे।

डॉक्टर 11 लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

बिल पास करने के लिए मांगे 14 लाख आयुष्मान भारत योजना बंद करने की दे रहा था धमकी

भीलवाड़ा।

आयुष्मान भारत योजना के बिल पास करने की एवज में डॉक्टर ने प्राइवेट अस्पताल से 14 लाख रुपए की डिमांड कर दी। डॉक्टर ने दबाव बनाया कि रकम नहीं दी तो योजना बंद कर दी जाएगी।

इसके बाद अस्पताल के मैनेजर ने अजमेर एसीबी में शिकायत की। इसके सत्यापन के बाद एसीबी ने कार्रवाई करते हुए डॉक्टर को 11 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मामला भीलवाड़ा के भीमगंज थाना इलाके का है।

एसीबी के डीएसपी नरपत सिंह ने बताया- आयुष्मान भारत योजना में बिल पास करने के एवज में डॉ. पंकज छीपा ने एक प्राइवेट अस्पताल से 14 लाख रुपए मांगे थे। डॉ. पंकज ने अस्पताल के मैनेजर से संपर्क किया और उसे कहा कि आपने पोर्टल पर जो बिल डाले हैं, उनमें अनियमितताएं हैं।

डॉ. पंकज ने आगे कहा- मेरे साथी आयुष्मान भारत जांचकर्ता डॉ. कुलदीप जयपुर में बैठते हैं। अगर तुम हमें 14 लाख दोगे तो हम अनियमितताएं इग्नोर कर देंगे और बिल भी पास कर देंगे। बाद में डील 11 लाख रुपए में तय हुई।

पूर्व-सरपंच के भतीजे ने बनाई 100 करोड़ की ड्रग्स फैक्ट्री

झुंझुनूं।

महाराष्ट्र पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने राजस्थान में MD ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी है। यह फैक्ट्री एक मुर्गी फार्म में लगाई गई थी। यहां से 10 किलो ड्रग्स और मशीनों समेत 100 करोड़ की सामग्री जब्त की है।

यह फैक्ट्री पूर्व सरपंच का भतीजा चला रहा था। उसने पूछताछ में बताया कि 15 दिन पहले ही इस फैक्ट्री में काम शुरू किया था। उसके साथी ने उससे 50 हजार रुपए किराए पर ये फैक्ट्री ली थी।

आरोपी रविवार को सुबह 1 किलो एमडी ड्रग्स सप्लाई करने सीकर पहुंचा तो पुलिस ने उसे कलेक्ट्रेट के सामने पकड़ लिया। इसके बाद तस्कर खुद पुलिस को फैक्ट्री तक लेकर गया। मामला झुंझुनूं के धनूरी थाना इलाके का है।

मुर्गी फार्म पर बनाई फैक्ट्री

मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस कमिश्नर निकत कौशिक ने बताया- मामले में अनिल सिहाग (31) निवासी नांद का बास, झुंझुनूं को पकड़ा है। अनिल ही यहां MD ड्रग्स बना रहा था।

पुलिस टीम ने फैक्ट्री से करीब 10 किलोग्राम MD ड्रग्स, इसके केमिकल और मशीनें जब्त की है। इन सभी की कीमत करीब 100 करोड़ आंकी गई है।

अम्मान पहुंचे पीएम मोदी, किंग अब्दुल्ला के निमंत्रण पर दो दिन की जॉर्डन की यात्रा पर

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन देशों के अहम दौरे पर है, पीएम मोदी अपनी यात्रा के पहले पड़ाव के तौर पर जॉर्डन पहुंचे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक यह दौरा भारत के पश्चिम एशिया और अफ्रीका के साथ रिश्तों को नई मजबूती देने वाला है। व्यापार, निवेश, रणनीतिक सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर इस दौरान गहन बातचीत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जॉर्डन की राजधानी अम्मान पहुंचने पर औपचारिक स्वागत किया गया। जॉर्डन के प्रधानमंत्री जाफर हसन ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी है। भारत इस दौरे के जरिए अपने भरोसेमंद साझेदारों के साथ राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। खास बात यह है कि जॉर्डन और इथियोपिया की यह पीएम मोदी की पहली पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा होगी, जबकि ओमान का यह उनका दूसरा दौरा है। पीएम मोदी जॉर्डन में किंग अब्दुल्ला द्वितीय से आमने-सामने बातचीत करेंगे। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी। भारत और जॉर्डन के बीच कूटनीतिक संबंधों के 75 साल पूरे हो रहे हैं, ऐसे में यह यात्रा विशेष मानी जा रही है।

हनुमानगढ़ कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ में कलेक्ट्रेट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद पूरे कलेक्ट्रेट को खाली करवाया गया है। बम स्क्वॉड को मौके पर बुलाया गया है। पूरे परिसर की तलाशी ली जा रही है।

ईमेल के जरिए यह धमकी मिली। कलेक्ट्रेट के पास ही स्थित जिला न्यायालय परिसर को भी एहतियातन खाली कराया गया है। कलेक्ट्रेट के सभी गेटों पर पुलिस बल तैनात किया गया है और किसी को भी भीतर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। बड़ी संख्या में दमकल की गाड़ियां भी कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंच गई हैं। कलेक्ट्रेट के गेटों पर पुलिस बल तैनात किया गया है और किसी को भी भीतर जाने की अनुमति नहीं है। कलेक्ट्रेट के गेटों पर पुलिस बल तैनात किया गया है और किसी को भी भीतर जाने की अनुमति नहीं है।

किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा

दरअसल सुबह करीब 10.30 बजे कार्यालयों में काम कर रहे कर्मचारियों को मुख्य बिल्डिंग से बाहर निकलने के लिए कहा गया। इसके बाद कर्मचारी कलेक्ट्रेट के भीतर खुली जगह पर इकट्ठा हुए और कुछ समय बाद पूरा परिसर खाली करा लिया गया।

दोनों इमारतों में कार्यरत सरकारी कर्मचारी, वकील और अन्य लोग बिल्डिंग से बाहर दुकानों के पास खड़े हैं। किसी भी व्यक्ति को कलेक्ट्रेट के भीतर प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है।

साजिद जट्ट ने रची पहलगाम हमले की साजिश, एनआईए ने चार्जशीट में किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली।

इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले के मामले में 1300 पेज की चार्जशीट दाखिल की। जम्मू में NIA स्पेशल कोर्ट में यह चार्जशीट हमले के 237 दिन बाद प्रस्तुत की गई। चार्जशीट में हमले के मास्टरमाइंड और पाकिस्तान स्थित आतंकी कमांडर सजाद जट्ट का नाम भी शामिल है।

सजाद जट्ट को पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा का ऑपरेशंस चीफ माना जाता है। NIA ने उस पर 10 लाख का इनाम भी घोषित किया है। सूत्रों के अनुसार, सजाद ही पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड था और उसने इस हमले की जिम्मेदारी अन्य दो आतंकियों को सौंपी थी।

28 जुलाई को श्रीनगर के हरवान जंगल में सुरक्षा बलों ने 'ऑपरेशन महादेव' चलाया था। इस ऑपरेशन में पहलगाम हमले में शामिल दोनों आतंकवादी सुलेमान शाह और हमजा अफगानी मारे गए थे। इस अभियान से इलाके में सुरक्षा बढ़ाने और आतंकवादियों के नेटवर्क को कमजोर करने में मदद मिली।

पहलगाम हमले का विवरण

दरअसल, 22 जुलाई को पहलगाम से करीब 6 किलोमीटर दूर बायसरन घाटी में आतंकियों ने हमला किया था। इस हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी और 16 लोग घायल हुए थे। हमलावरों ने लोगों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर निशाना बनाया था, जिससे पूरे देश में आक्रोश फैल गया।

संसद में उठा जयपुर महिला कांग्रेस अध्यक्ष के विवादित बयान का मुद्दा

नई दिल्ली।

दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस की रैली के पीएम मोदी के खिलाफ लगाए गए विवादित नारे का मामला संसद तक पहुंच गया. बीजेपी नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें कांग्रेस की कुछ महिला कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगाती नजर आ रही हैं. इसी वीडियो को लेकर राज्यसभा में जेपी नड्डा और लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मामला उठाया.

राज्यसभा में जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी से सार्वजनिक रूप से माफी की मांग की. अमित मालवीय ने अपने पोस्ट में कहा कि यह

सामान्य राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि व्यक्तिगत दुर्भावना का प्रदर्शन है, जो खतरनाक है. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश के लिए सकारात्मक एजेंडा देने के बजाय नफरत भरे नारे लगवा रही है.

मालवीय के मुताबिक, चुनाव आते-जाते रहते हैं, लेकिन कांग्रेस का एजेंडा आज भी सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इर्द-गिर्द ही घूमता है. उन्होंने दावा किया कि इस तरह के जहरीले बोल सड़क से नहीं, बल्कि पार्टी की शीर्ष नेतृत्व से निकलते हैं. इस बीच जयपुर सिटी महिला कांग्रेस अध्यक्ष मंजू लता मीणा ने कहा कि वह किसी भी हालत में माफी नहीं मांगेंगी.

मंजू लता बोलीं- वह अपने बयान पर कायम

मंजू लता मीणा ने कहा कि रामलीला मैदान में कांग्रेस की वोट चोर गद्दी छोड़ रैली के दौरान दिया गया नारा जनता के गुस्से की अभिव्यक्ति है और वह अपने बयान पर कायम हैं. महिला कांग्रेस नेता ने दोहराया कि उनका नारा राजनीतिक आलोचना का हिस्सा है और विपक्ष का काम सच्चाई को जनता के सामने लाना है.

जब उनसे सवाल किया गया कि इस तरह की भाषा राजनीतिक संस्कृति के खिलाफ है, तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह अपने बयान पर कायम हैं और किसी तरह की माफी नहीं मांगेंगी. उन्होंने कहा कि जनता सरकार से परेशान है और वही गुस्सा उनके शब्दों में दिखाई दिया है.

महाराष्ट्र में बीएमसी चुनाव की तारीखों का ऐलान, 15 जनवरी को होगी वोटिंग

मुंबई।

महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव को लेकर राज्य चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा कर दी है। आयोग के अनुसार, मतदान 15 जनवरी 2026 को होगा, जबकि मतों की गिनती 16 जनवरी 2026 को की जाएगी। राज्य चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए सभी जरूरी तैयारियां की जा रही हैं। मतदान के दिन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे और मतदाताओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि इन 29 नगर निगमों में कुल 2,869 सीटों के लिए चुनाव होंगे। इन चुनावों में करीब 3.48 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे।

अमलीपदर से चार किलोमीटर दूरी पर पवित्र देव भूमि चौरासी

पुष्पांजली गरियाबंद जिला ब्यूरो चीफ त्रिलोकी तिवारी

गढ़ एवं पर्यटन स्थल कान्दाडोंगर के ग्राम गोढियारी में झरिया साहू समाज के द्वारा ग्राम गोढियारी के ग्रामीण जनों के साथ एक बैठक रखी जिसमें कान्दाडोंगर में साहू समाज के नवनिर्मित सामुदायिक भवन उद्घाटन के उपलक्ष्य में श्री श्री अष्टप्रहरी नाम यज्ञ रखने हेतु सब के साथ में विचार विमर्श किया गया तथा ग्रामीण जनों के नेतृत्व में एक यज्ञ संचालन समिति का गठन किया जिसमें अध्यक्ष के रूप में श्री जयमल यादव उपाध्यक्ष मुकेश दिवान सेवन पुजारी संरक्षक मंडल श्रीमती गायत्री चैतन्य दिवान (सरपंच) देवचंद यादव (उपसरपंच)अमर लाल यादव (ग्राम पटेल)तिरेश प्रधान टिकम मांझी अमृत लाल यादव लोभेन्द यादव चिराग ठाकुर पुष्प राज यादव मधु सूर्यवंशी भुवनेश्वर यादव फत्तू राम ध्रुव नरेंद्र दिवान सेवक दिवान प्रियतम सिंह सूर्यवंशी जय सिंह ठाकुर लक्ष्मी कांत दिवान एवं साहू समाज के अध्यक्ष श्री कीर्तन राम साहू देवशरण राम साहू टेकराम साहू लम्बोदर साहू निलाधर साहू शशीधर साहू भुतेश्वर साहू जयराम साहू मकरध्वज साहू सोहन साहू मुकेश साहू प्रदीप साहू दशरथ साहू भूवेंन्द साहू प्रफूल्ल साहू बंशी लाल साहू आदि उपस्थित रहे*

मुनस्यारी में आयोजित हुआ सप्त शक्ति संगम

थल(पिथौरागढ़)विद्या भारती द्वारा संचालित श्रीमती हीरा देवी भट्ट विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मुनस्यारी में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम संपन्न हुआ ।विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये द्य मुख्य अतिथि श्रीमती हीरा देवी धर्मशक्तू तथा विशिष्ट अतिथि बसंती जोशी एवं खीला देवी पांगती ने दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।कार्यक्रम में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया द्य संपूर्ण भारतवर्ष में महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से विद्या भारती संस्थान द्वारा सप्त शक्ति संगम के आयोजन किए जा रहे हैं ।इसके माध्यम से समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया

जा रहा है ।स्थानीय महापुरुष ,बोली भाषा, रीति रिवाज एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति आधारित मानबिंदुओं की रक्षा करने पर जोर भी दिया जा रहा है। संयुक्त परिवार व्यवस्था को भी महत्व देते हुए इस कार्यक्रम में ऐसे परिवारों को सम्मानित भी किया जा रहा है जो संयुक्त रूप से रहते हैं ।संयुक्त परिवार से नीमा देवी एवं उषा देवी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से हरुली देवी और राधा देवली , सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त तारा पांगती , पुष्पा रावत,प्रेमा लोटनी, पुष्पा सामंत को सम्मानित भी किया गया।मुख्य वक्ता डॉक्टर पुष्पा कलाकोटी (प्राध्यापिका राजकीय महाविद्यालय मुनस्यारी) ने वीर नारियों के इतिहास से सभी को अवगत कराया तथा शानदार आयोजन के लिए विद्या भारती संस्थान की प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. निधि मारुठिया (प्राध्यापिका राजकीय महाविद्यालय मुनस्यारी)ने की । महिला मंगल दल जैंती द्वारा शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया ।महिला मंगल दल सुरिंग की भी शानदार उपस्थिति रही ।कार्यक्रम में अन्य प्रमुख महिलाएं मुन्नी बृजवाल बबीता बसेड़ा, निर्मला जोशी, खीला देवी बिष्ट, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 300 माताओं- बहनों ने प्रतिभाग किया ।कार्यक्रम का संचालन संयोजिका सम्मी फर्स्वाण एवं दीक्षा पाना ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य नवीन चंद्र शर्मा ने विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं प्रबंध समिति का आभार व्यक्त किया द्य

हत्या के प्रयास के मामले में अशोकनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन आरोपी गिरफ्तार

पवन कुमार लोधी जिला ब्यूरो अशोकनगर। जिले में गंभीर अपराधों पर सख्ती बरतते हुए अशोकनगर पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में मुख्य आरोपी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन एवं एसडीओपी श्री विवेक शर्मा के मार्गदर्शन में की गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 15 दिसंबर 2025 को थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत फरियादी अनिल अग्रवाल, निवासी पुरानी थाने के पीछे, अशोकनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी की शिकायत पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 678/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल विशेष टीम गठित की गई। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रवि प्रताप सिंह चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी, जहां से मुख्य आरोपी प्रदीप सिंह सिख को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने घटना में अन्य लोगों की संलिप्तता स्वीकार की।मुख्य आरोपी के मेमो कथन के आधार पर पुलिस ने हरप्रीत पुत्र लखबिंदर एवं कमल पुत्र कृपाल सिंह सिख को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त औजारों को भी आरोपियों की निशानदेही पर जप्त किया है। मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। इस पूरी कार्रवाई में कोतवाली पुलिस, देहात थाना पुलिस एवं साइबर टीम की अहम भूमिका रही।अशोकनगर पुलिस ने स्पष्ट किया है

थाना थल पुलिस द्वारा ग्राम सभा दड़मोली में जागरूकता कायर्क्रम आयोजित

थल(पिथौरागढ़) थल क्षेत्र की ग्राम पंचायत दडमोली में आज ग्राम प्रधान तारा देवी की अध्यक्षता में जागरूकता अभियान कार्यक्रम सम्पन्न हुवा, ग्राम प्रधान तारा देवी के आग्रह पर थल थाने थानाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र पांडे मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे,थानाध्यक्ष थल प्रकाश पाण्डेय* द्वारा ग्रामवासियों को साइबर अपराधों से बचाव, महिला अपराधों की रोकथाम, घरेलू हिंसा, कानूनी अधिकारों तथा आपात स्थिति में पुलिस से सम्पर्क करने के तरीकों के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक एवं सरल भाषा में महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गई।थानाध्यक्ष द्वारा उपस्थित लोगों से किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने एवं साइबर अपराध होने की स्थिति में 1930 हेल्पलाइन अथवा नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई। साथ ही नशे की तस्करी में लिप्त लोगों की सूचना मानस हैल्पलाईन नम्बर 1933 पर देने हेतु बताया । कार्य क्रम में क्षेत्र पंचायत सदस्य जानकी लोहनी,गणेश लोहनी, संदीप लोहनी,महेश चंद्र लोहनी,कमला लोहनी,बसंती लोहनी,मीना लोहनी,पुष्पा लोहनी,तुलसी चन्द, जानकी पाठक,ललिता देवी,दिनेश चंद्र,मनोज लोहनी,राजेन्द्र लोहनी,कमलेश जोशी, धीरज लोहनी ,भुवन चन्द्र लोहनी, आदि उपस्थित थे,

80 साल पुराना दाना ओली स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर वरैया जैन मंदिर का निर्माण होगा

वरैया जैन मंदिर के निर्माण कार्यों में दान देने वाले दानदाताओं किया सम्मानित 06 दिसंबर को मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर महाराज के सानिध्य में हुआ था शिलान्यास

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर । ग्वालियर के दाना ओली स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर वरैया जैन मंदिर का जीर्णोद्धार के लिए वरैया जैन समाज के समाजजनों ने मंदिर निर्माण में दान देने वाले दानदाताओं का सम्मान समारोह दिगंबर जैन वरैया सामाजिक कल्याण समिति की ओर से नई सड़क स्थित जैसवाल जैन धर्मशाला में आयोजित किया। आपको बता दे कि 06 दिसंबर को मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर महाराज ओर मुनि श्री विश्व सौम्य सागर महाराज के सान्निध्य में पार्श्वनाथ वरैया जैन मंदिर का शिलान्यास किया था। जिसमे वरैया जैन समाज के लोगों ने धन का उपयोग मंदिर निर्माण कार्य में दिया था ।जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि दिगंबर जैन वरैया सामाजिक कल्याण समिति की ओर से सम्मान समारोह आयोजित हुआ। जिसका शुभारंभ भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित समाज के समाजजनों ने कर किया। मंगलाचरण पंडित चंद्र कुमार जैन ने किया। स्वागत उद्बोधन समिति के अध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र जैन ने दिया। मंच पर अतिथि वरैया महासभा के अध्यक्ष धर्मचंद्र जैन, समिति के मार्गदर्शक संजयमणि जैन, अध्यक्ष चौधरी वीरेंद्र जैन, सूरज जैन, धर्म वरैया, पीसी जैन, सुरेशचंद्र जैन, अनिल शाह, हेमंत जैन, भानूप्रकाश जैन ने मंदिर में दान देने वाले दानदाता, संरक्षक गणों, सहयोग करने वालों का दुपट्टा शॉल उड़ा कर स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया। संचालन सौरभ जैन ओर संजयमणि जैन एवं आभार सूरज जैन ने माना।

मंदिर के निर्माण कार्यों में इन दान दाताओं का किया सम्मानित-जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि मुख्य शिला वरैया महासभा के अध्यक्ष धर्मचंद्र जैन करैरा, मुख्य वेदी पवन पिंकी जैन, दूसरी वेदी भरत वैरागी अमित भंडारी परिवार, तीसरी वेदी बादामी बाई हरिशंकर जैन। सवा पांच फुट की सहस्त्रफणि पार्श्वनाथ प्रतिमा लालमणि, संजयमणि आदित्यमणि यशमणि वरैया परिवार, दूसरी वेदी मुनि सुब्रतनाथ की प्रतिमा हीरालाल रमादेवी वरैया, तीसरी महावीर स्वामी की प्रतिमा सिंघई विमलादेवी सुनील निर्मल कौशल जैन परिवार। तीन शिखर के सौभाग्य आनंद जैन, दूसरा संतोषी प्रमोद राकेश जैन परदेशी परिवार एवं तीसरा शिखर राकेश जैन परिवार। मुख्य प्रवेश द्वार गेट कुन्ने जैन, मंदिर द्वारा विनोद मीना जैन। स्वाध्याय भवन वरैया मित्र मंडल। कमरा धर्मेंद्र सतेंद्र जैन। आहार शाला भरत वैरागी अमित जैन ओर 24 परिवारों के द्वारा 24 तीर्थंकरों के नाम के पिलरों के दानदाताओं का सम्मान किया।

शोले का 'हरिराम' इंदौर की गलियों से निकला किरदार, सलीम खान की यादों में बसी पलासिया की दुकान

हरिराम की तस्वीर के साथ उनके बेटे नेमीचंद।

दैनिक पुष्पांजली टुडे
सादिक मिर्ज़ा

पचास साल पहले बनी कालजयी फिल्म शोले एक बार फिर मल्टीप्लेक्स और छबिगृहों में नए क्लाइमैक्स के साथ दस्तक दे चुकी है, और इसी के साथ इसके किरदारों से जुड़े किस्से भी ताजा हो उठे हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म का एक यादगार नाम जेल के भीतर कैदियों और अफसरों की शेविंग करने वाला हरिराम हकीकत में इंदौर की मिट्टी से जुड़ा है। शोले की कहानी लिखने वाले सलीम-जावेद की कलम ने जिन किरदारों को अमर किया, उनमें कई नाम असल जिंदगी की स्मृतियों से जन्मे थे, और हरिराम उसी कड़ी का चमकता उदाहरण है।सलीम खान जब किस्मत आजमाने इंदौर से मुंबई गए, तब पलासिया की एक छोटी सी हेयर कट की दुकान उनके रोजमर्रा का ठिकाना हुआ करती थी। यहीं के रहने वाले हरिराम से वे अक्सर बाल कटवाते थे। फिल्म में जब जेल का दृश्य रचा गया और एक नाई का किरदार उभरा, तो सलीम खान को अपने वही इंदौर वाले हरिराम याद आ गए। यही वजह है कि केस्टो मुखर्जी द्वारा निभाए गए उस किरदार का नाम हरिराम रखा गया। सलीम खान ने हरिराम से मुंबई चलकर एक छोटे से रोल की बात भी की, लेकिन दुकान की व्यस्तता के कारण वे जा नहीं पाए। तब हरिराम ने हंसते हुए सलीम साहब से बस इतना कहा कि अगर नाम इस्तेमाल करना चाहें तो बेझिझक कर लें।आज हरिराम भले ही इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी विरासत पलासिया में अब भी जीवित है। उनके बेटे नेमीचंद आमेरिया की दुकान वहीं चल रही है, जहां कभी सलीम खान बैठकर बाल कटवाते थे। नेमीचंद बताते हैं कि सलीम साहब जब भी इंदौर आते, पिताजी से जरूर मिलते थे और पुरानी यादें ताजा करते थे। शोले का यह छोटा सा नाम इंदौर की गलियों को सीधे सिनेमा के इतिहास से जोड़ देता है।

यही नहीं, शोले के दो सबसे चर्चित किरदार वीरू और जय के नाम भी सलीम खान की दोस्ती की कहानी कहते हैं। स्कूल के दिनों में उनके दोस्त जय सिंह और वीरेंद्र बायस थे, और जब फिल्म के नायकों के नाम रखने की बारी आई तो वही चेहरे और वही नाम याद आ गए। इस तरह शोले सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि सलीम खान की ज़िंदगी, दोस्ती और इंदौर की स्मृतियों का जीवंत दस्तावेज बन गई।पचास साल बाद भी शोले का जादू कायम है, और इंदौर के पलासिया से लेकर बड़े पर्दे तक फैला हरिराम का किस्सा यह साबित करता है कि सिनेमा की सबसे बड़ी कहानियां अक्सर हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी से ही जन्म लेती हैं।

सरकारी खरीद केंद्र का दलाल बचा, लेखपालों पर गिरी गाज

माधौगढ़- सरकारी क्रय केंद्रों पर हुए भ्रष्टाचार के मामले में जिलाधिकारी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गलत सत्यापन के आरोप में माधौगढ़ तहसील के दो लेखपालों को निलंबित कर दिया है। वहीं रामपुरा क्रय केंद्र प्रभारी के खिलाफ भी कार्रवाई की संस्तुति की गई है।सरकारी क्रय केंद्रों पर ज्वार की खरीद में व्यापक स्तर पर अनियमितताएं सामने आई थी। खासतौर पर माधौगढ़ और

रामपुरा क्रय केंद्रों पर किसानों से तौल के नाम पर खुलेआम शोषण किया गया। आरोप है कि दलालों ने क्रय केंद्र प्रभारी की मिलीभगत से अपने ज्वार को सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेच दिया, जबकि असली किसानों को परेशान होना पड़ा।रामपुरा में ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह सेंगर द्वारा मामला उठाए जाने के बाद सत्यापन की जांच कराई गई, जिसमें गड़बड़ी पाए जाने पर दो लेखपालों योगेंद्र कुशवाहा व ब्रजकिशोर निरंजन को निलंबित किया गया। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि माधौगढ़ और रामपुरा दोनों केंद्रों पर हुई पूरी खरीद की निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो इससे कहीं बड़ा घोटाला उजागर हो सकता है।माधौगढ़ में एक दलाल द्वारा इस खरीद-फरोख्त में तहसील के आउटसोर्सिंग कर्मचारी अमन के माध्यम से फर्जी सत्यापन रिपोर्ट लगाकर बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किए जाने के आरोप हैं। यदि दलाल और संबंधित आउटसोर्सिंग कर्मचारी की भूमिका की गहन जांच हो जाए, तो पूरे नेटवर्क का खुलासा संभव है।आरोप है कि उक्त दलाल ने मध्यप्रदेश से ज्वार लाकर सरकारी क्रय केंद्रों पर बेचने का काम किया। फिलहाल जिलाधिकारी की कार्रवाई से यह तो स्पष्ट हो गया है कि क्रय केंद्रों पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है।बताया जा रहा है कि माधौगढ़ मंडी में हरियाणा न0 गा?ी से चलने वाले दलाल का लगभग 2 हजार क्विंटल ज्वार व्यापारियों के पास रखा हुआ है, जिसे किसी तरह जुगाड़ लगाकर सरकारी खरीद में शामिल कराने की कोशिश की जा रही है। अंगूठा सत्यापन में हुए खेल के कारण असली किसान आज भी परेशान हैं, जबकि व्यापारियों और दलालों द्वारा प्रायोजित किसानों ने सरकारी लाभ उठा लिया।

मौनी बाबा धाम में भंडारा व मेले के दूसरे दिन श्रद्धालुओं का उमड़ा जनसैलाब

बाँदा।बबेरू तहसील क्षेत्र अंतर्गत सिमौनी गांव स्थित मौनी बाबा धाम पर आयोजित भंडारा एवं मेले के दूसरे दिन मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।सुबह से ही दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पर पहुंचे और श्रद्धा भाव से भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।भंडारे में श्रद्धालुओं को पूड़ी-सब्जी,मालपुआ एवं जलेबी का प्रसाद वितरित किया गया।प्रसाद ग्रहण करने के उपरांत श्रद्धालु मेला परिसर में पहुंचे, जहां उन्होंने विभिन्न दुकानों से दैनिक उपयोग की वस्तुओं,खिलौनों एवं घरेलू सामान की खरीदारी की।मेले में बच्चों,महिलाओं एवं युवाओं की विशेष चहल-पहल देखने को मिली।मेले के अंतर्गत कृषि मेला का भी आयोजन किया गया,जिसमें किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए जागरूक किया गया।कृषि विशेषज्ञों द्वारा प्राकृतिक एवं जैविक कृषि के लाभों की जानकारी दी गई तथा रासायनिक खाद के सीमित उपयोग पर जोर दिया गया।इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेला परिसर में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया,जहाँ श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य जांच की गई। किसी भी प्रकार की अस्वस्थता की स्थिति में तत्काल उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।स्वास्थ्य कर्मी पूरे समय मौके पर तैनात रहे।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। मेला क्षेत्र में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती रही तथा यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखने के प्रयास किए गए।प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही थी

अली फजल की नई वेब सीरीज राख का ऐलान, सामने आई अभिनेता की पहली झलक

बॉलीवुड स्टार अली फजल को उनके किरदार मुन्ना भैया के लिए लोग याद करते हैं। उनकी लेटेस्ट सीरीज का अनाउंसमेंट हो गया है। अली फजल की नई सीरीज का नाम होगा राख। इसमें वो एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में दिखाई देंगे। 'राख एक इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर है। सीरीज के पहले पोस्टर को आज इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'राख से निकलेगा न्याय, नई ओरिजिनल सीरीज प्राइम वीडियो पर 2026 में आएगी। इसके पहले पोस्टर में अली फजल हैरानी से किसी चीज को निहारते दिख रहे हैं। उनकी आंखों में मुन्ना भैया वाला खौफ कम और हैरानी अधिक दिख रही है। इसके बैकग्राउंड में एक पुरानी पुलिस की जीप खड़ी है और साथ में कुछ पुलिस वाले दिखाई दे रहे हैं। वर्दी में अली फजल काफी दमदार दिख रहे हैं। इससे ये कहा जा सकता है कि ये सीरीज भी काफी धमाकेदार होगी। इसमें सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर भी अहम रोल निभाएंगे। पहले पोस्टर को देखने के बाद लोग भी इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। इसे लाइक करते हुए वो इस सीरीज को देखने के लिए उत्साहित दिखे। कइयों ने फायर इमोजी भी शेयर की है। इस सीरीज को प्रोसित रॉय ने डायरेक्ट किया है। इन्होंने ही अनुष्का शर्मा की फिल्म परी को डायरेक्ट किया था। बताया जा रहा है कि इसमें अपराध और न्याय के बीच की मनोवैज्ञानिक जटिलताओं को दिखाया जाएगा। इस सीरीज को एंडेमोल शाइन इंडिया और गुलबदन टॉकीज ने प्रोड्यूस किया है। डायलॉग्स आयुष त्रिवेदी ने लिखे हैं। 'राख साल 2026 में प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इससे पहले अली फजल को अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनों में देखा गया था। इसमें वो एक स्ट्रग्लिंग सिंगर के किरदार में दिखाई दिए थे। अली फजल ने एक पोस्ट में अनुराग बसु की तारीफ करते हुए कहा था, उनके साथ काम करना एक म्यूजिकल सपने जैसा है। उनकी फिल्मों में एक अनोखा जादू होता है। मैं इसका हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। फिल्म में अली फजल और फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह रोमांटिक ड्रामा 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

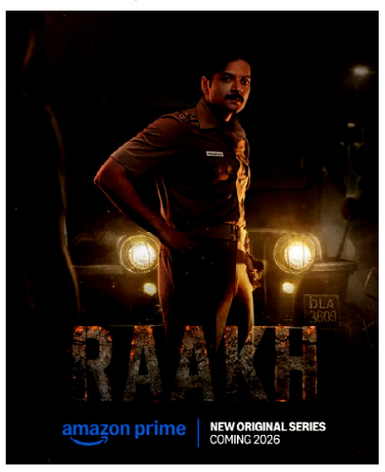

बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर का धमाका, तीन दिनों में 150 करोड़ पार हुआ वर्ल्डवाइड कलेक्शन

भारत में एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है और इसकी वजह है आदित्य धर निर्देशित स्पाई-एक्शन थ्रिलर 'धुरंधर, जिसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त जैसे दिग्गज कलाकार एक साथ नजर आए हैं। 5 दिसंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने शुरुआती तीन दिनों में ऐसा तूफान मचाया कि कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड टूट गए। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि इस फिल्म का जलवा विदेशों में भी देखने को मिल रहा है। फिल्म ने पहले ही दिन 28.60 करोड़ की मजबूत ओपनिंग लेकर यह संकेत दे दिया था कि दर्शक इसे खूब पसंद करने वाले हैं। शनिवार को दर्शकों की भीड़ और बढ़ी और कलेक्शन 33 करोड़ तक पहुंच गया। असली धमाका रविवार को हुआ, जब फिल्म ने लगभग 45 करोड़ का बिजनेस किया, जो इसके ओपनिंग वीकेंड का सबसे बड़ा आंकड़ा रहा। मेकर्स द्वारा शेयर किए गए पोस्टर के मुताबिक फिल्म ने भारत में अब तक 106.50 करोड़ का

कलेक्शन कर लिया। महज तीन दिनों में फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है। इससे पहले इस साल सिर्फ छावा ही ऐसा कर पाई थी। फिल्म के ग्रॉस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने भारत में 125.67 करोड़ कमा लिए हैं। हालांकि सोमवार सुबह तक फिल्म ने लगभग 72 लाख का कलेक्शन जोड़ लिया था। हालांकि वीकडेज में गिरावट आम बात है, लेकिन अगर सोमवार का कुल आंकड़ा भी 20 करोड़ के आस-पास रहता है, तो फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रन की ओर बढ़ सकती है। फिल्म ने सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी शानदार ओपनिंग की है। खासकर अमेरिका-नॉर्थ अमेरिका में, जहां फिल्म ने पहले तीन दिनों में ही 2 मिलियन डॉलर यानी 16.7 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। अगर अब तक खाली ओवरसीज कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने 34.48 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। यानी कुल मिलाकर वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन देखें तो फिल्म 160.15 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है। फिल्म ने ये आंकड़ा सिर्फ तीन दिनों में ही पार कर लिया है। इसी के साथ ही फिल्म धुरंधर ने पहले तीन दिनों में ही रणवीर सिंह की सफल फिल्मों के शुरुआती वीकेंड कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया, जिनमें शामिल हैं- पद्मावत जिसने तीन दिन में 78 करोड़, सिंबा के 75.11 करोड़, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के 46.81 करोड़ शामिल हैं। यानी ये फिल्म रणवीर के करियर की सबसे बड़ी वीकेंड कलेक्शन वाली फिल्म बन गई है।

मेगास्टार चिरंजीवी की फिल्म मन शंकर वरप्रसाद गारू की दूसरा गाना शशिरेखा रिलीज़

हिटमेकर अनिल रविपुडी की डायरेक्ट की हुई फैमिली एंटरटेनर फिल्म मन शंकरा वर प्रसाद गारू, जिसका बेसब्री से इंतज़ार था, संक्रांति 2026 में रिलीज़ होने से पहले ही धूम मचा रही है। शाइन स्क्रीन्स और गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स के तहत साहू गरपति और सुष्मिता कोनिडेला द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म बहुत एक्साइटमेंट से भरी हुई है। टीम का प्रमोशन ज़ोरों पर है, और पहला शानदार सिंगल मीसाला पिल्ला पहले ही चार्टबस्टर बन चुका है। दूसरा सिंगल, ससिरेखा, अब रिलीज़ हो गया है, और यह भीम्स सेसिरोलियो की बनाई एक

दिल को छू लेने वाली धुन है। अनंथा श्रीराम के लिरिक्स एक रोमांटिक सफ़र को खूबसूरती से दिखाते हैं जहाँ प्यार हदों को पार कर जाता है। मधु प्रिया और भीम्स की शानदार आवाज़, भानु मास्टर की शानदार कोरियोग्राफी के साथ मिलकर, गाने को ज़बरदस्त बनाती है। चिरंजीवी और नयनतारा की शानदार केमिस्ट्री, ट्रेडिशनल आउटफिट्स और अनोखी जगहों पर शानदार मूव्स इस गाने के चार्म को और बढ़ा देते हैं। फिल्म में विक्ट्री वेंकटेश और वीटीवी गणेश जैसे स्टार्स की टीम है, जिन्हें एक काबिल टेक्निकल टीम का सपोर्ट मिला है। समीर रेड्डी की सिनेमैटोग्राफी, तम्मीराजू की एडिटिंग और एएस प्रकाश के प्रोडक्शन डिज़ाइन के साथ, माना शंकरा वर प्रसाद गारू एक शानदार विजुअल ट्रीट का वादा करती है। एस. कृष्णा और जी. आदि नारायण ने मिलकर यह कहानी लिखी है, जो एक बड़े त्योहार पर रिलीज़ होने वाली है। जैसे-जैसे हाइप बढ़ रही है, यह संक्रांति 2026 में रिलीज़ होने वाली फिल्म देखने लायक है, जिसमें रोमांस, ड्रामा और एंटरटेनमेंट का मिक्स है। स्टार्स की टीम में मेगास्टार चिरंजीवी, विक्ट्री वेंकटेश, नयनतारा, वीटीवी गणेश शामिल हैं।

अभिनेत्री हेमा पोथाना: रंगों और सपनों की दुनिया में मजबूती से उभरती हुई

सिनेमा की जीवंत दुनिया में एक सितारा उभर कर आया है—निडर, दृढ़निश्चयी और स्व-निर्मित। युवा अभिनेत्री हेमा पोथाना अटूट आत्मविश्वास के साथ, अपने रास्ते की हर बाधा को पार करते हुए, फ़िल्मों में अपना सफ़र जारी रखे हुए हैं। अपनी सुंदरता, प्रतिभा और भावनात्मक गहराई के साथ, वह तेलुगु फ़िल्म उद्योग में एक उज्ज्वल भविष्य गढ़ रही हैं। कम उम्र में ही अपने माता-पिता को खो देने के बावजूद, उन्होंने दुःख को शक्ति में बदल दिया और अपने जीवन को अपने हाथों से आकार दिया। विजयवाड़ा की रहने वाली हेमा अपने व्यक्तित्व के दो विशिष्ट मूल्यों—जिज्ञासा और साहस—को मज़बूती से थामे हुए बड़ी हुईं। माता-पिता के निधन से पैदा हुए खालीपन के बावजूद, उन्होंने दुःख के आगे घुटने नहीं टेके। इस दृढ़ निश्चय के साथ—मैं अपना जीवन खुद बनाऊँगी, वह हैदराबाद आ गईं। इसी साहस ने उन्हें एक महत्वपूर्ण मुकाम दिलाया: 2013 में, उन्हें मिस हैदराबाद का ताज पहनाया गया, जो एक ऐसा मोड़ था जिसने नई शुरुआत के द्वार खोल दिए। सिनेमा के प्रति अपने प्रेम से प्रेरित होकर, हेमा ने टॉलीवुड में कदम रखा और 100त्न लव, चालाकी, कॉफ़ी बार, राज जैसी फिल्मों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। लेकिन ज़िंदगी में एक अप्रत्याशित मोड़ आया। एक भयानक सड़क दुर्घटना ने उनकी दुनिया हिलाकर रख दी, जिससे उनकी हालत इतनी गंभीर हो गई कि डॉक्टरों को भी शक था कि वह ठीक हो पाएंगी। लेकिन हेमा ने हार नहीं मानी। वह फिर से उठ खड़ी हुईं, पहले से कहीं ज़्यादा मज़बूत। इस दुर्घटना ने उन्हें रोका नहीं; इसने उन्हें और भी ज़्यादा दृढ़ निश्चयी बना दिया। अब, हेमा आगामी ग्रामीण विषय पर आधारित फिल्म मैडम में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। भावनात्मक रूप से समृद्ध कहानी और अभिनय की भरपूर संभावनाओं के साथ, वह इस परियोजना के माध्यम से अपने अभिनय कौशल को निखारने और नई ऊँचाइयों तक पहुँचने का लक्ष्य रखती हैं। हालाँकि उन्होंने बिना किसी गॉडफ़ादर के इंडस्ट्री में कदम रखा, लेकिन उनके आत्मविश्वास, लगन, अनुशासन और कड़ी मेहनत ने उन्हें एक के बाद एक मौके दिलाए। दर्शकों की नज़रों में उनके प्रति प्रशंसा लगातार बढ़ रही है। हेमा पोथाना का सफ़र सिर्फ़ एक फ़िल्मी करियर से कहीं बढ़कर है—यह दृढ़ता, साहस और कठिनाइयों से ऊपर उठने की इच्छाशक्ति की कहानी है। हर कदम आगे बढ़ने के साथ, वह सिनेमा जगत में अपनी पहचान बना रही हैं और सफलता की ओर तेज़ी से बढ़ रही हैं।

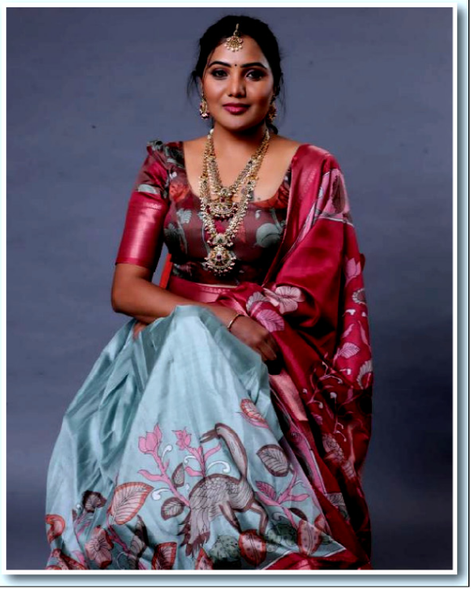

फरहाना भट्ट ने बिग-बॉस-19 को बताया सबसे बड़ा जैकपॉट, कहा- लोग मुझे प्यार और सपोर्ट कर रहे हैं

कलर्स रियलिटी शो बिग-बॉस-19 ग्रैंड फिनाले की ट्रॉफी अभिनेता गौरव खन्ना ने अपने नाम कर ली है और जम्मू कश्मीर के श्रीनगर की रहने वाली फरहाना भट्ट दूसरे नंबर पर रही हैं। शो के दौरान फराहाना को कई मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए देखा गया। वहीं, घर के दूसरे कंटेस्टेंट से लड़ाई और अपशब्द कहने पर सलमान से डांट भी पड़ी थी, लेकिन इतनी सारी लड़ाई और एक बार बिग बॉस से निकलने के बावजूद फराहाना दूसरे पायदान पर पहुंचीं। हालांकि, ट्रॉफी उनके नाम नहीं आई। फरहाना ने शो को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा जैकपॉट बताया। उन्होने कहा, बिग-बॉस मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जैकपॉट है। इसने मेरी जिंदगी बदल दी। पहले कश्मीर में मैं एक आम सी लड़की थी, और

मुझे कोई भी नहीं जानता था। आज लाखों लोग मुझे प्यार और सपोर्ट करते हैं। ये आसमान-जमीन का फर्क है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा। फरहाना ने शो को लेकर भी कुछ बातें की। उन्होंने कहा, शो की शुरुआत में लोग मुझे विलेन बना रहे थे और एक वक्त ऐसा आया, जब मुझे खुद लगने लगा कि शायद मैं सच में बुरी हूं, लेकिन जब पता चला कि बाहर लोग मुझे बहुत प्यार और सपोर्ट कर रहे हैं, तो समझ में आया कि हमारी जनता सब देखती है। वो सही-गलत की पहचान करती है। जब ने उनसे पूछा कि वे बाहर निकलने के बाद सबसे पहले क्या करेंगी, इस सवाल का जवाब देते हुए फरहाना ने कहा, सबसे पहले तो मैं अपनी मां के साथ समय बिताऊंगी क्योंकि मैं उन्हें बहुत मिस कर रही हूं। श्रीनगर की रहने वाली फरहाना को भले ही आज कई लोग जानते हैं, लेकिन यहां तक आने के लिए उन्होंने काफी संघर्ष किया है। अभिनेत्री ने इम्तियाज अली की फिल्म लैला मजनू में एक छोटा सा रोल किया था। इसके बाद वे अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन में भी साइड रोल में नजर आई थीं। इसके बाद भी वे फिल्म नोटबुक में भी नजर आई थीं।

कार्थी अभिनीत और स्टूडियो ग्रीन द्वारा निर्मित बहुप्रतीक्षित अन्नागरु वोस्तारु का ट्रेलर

कार्थी अभिनीत बहुप्रतीक्षित मनोरंजक फिल्म अन्नागरु वोस्तारु इस महीने की 12 तारीख को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज़ के लिए तैयार है। प्रतिष्ठित स्टूडियो ग्रीन बैनर तले केई ज्ञानवेल राजा द्वारा निर्मित और नलन कुमारस्वामी द्वारा निर्देशित, जो कहानी को एक एक्शन-कॉमेडी के रूप में प्रस्तुत करते हैं। कृति शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। सशक्त निर्देशक हरीश शंकर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के ज़रिए फिल्म का ट्रेलर जारी किया। उन्होंने ट्रेलर की सराहना करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से मनोरंजक है और सिनेमाघरों में फिल्म देखने की उत्सुकता जगाता है। हरीश शंकर ने अन्नागारु वोस्तारु की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएँ भी दीं। ट्रेलर में कार्थी को एक मज़ेदार और तीखे हास्यबोध वाले पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है।

सिनेमा से उनका जुड़ाव बचपन से ही शुरू हो जाता है, जो उनके व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। उनका मानना है कि पुलिस विभाग को और अधिक सम्मान मिलना चाहिए और वे अपनी वर्दी भी गर्व से सिलवाते हैं। उनका रोमांटिक पक्ष तब सामने आता है जब वे नायिका से मिलते हैं और उसे प्यार से जॉली टु मीट यू कहकर अभिवादन करते हैं। साथ ही, वे विभिन्न परिस्थितियों में चतुराई और साहस का परिचय देते हैं। जब समाज को सचमुच एक सच्चे नायक की ज़रूरत होती है, तो वे अन्नागरु के रूप में आगे आते हैं। ट्रेलर इस बात को लेकर उत्सुकता जगाता है कि यह पुलिस अधिकारी अन्नागारु में कैसे बदलता है और समाज के लिए क्या करता है। कार्थी की स्क्रीन प्रेजेंस, कॉमेडी टाइमिंग, एक्शन और रोमांस प्रभावशाली हैं। व्यावसायिक पहलुओं के साथ-साथ, उनका अन्नागारु अवतार एक अतिरिक्त आकर्षण बन जाता है। ट्रेलर से पता चलता है कि अन्नागारु वोस्तारु एक संपूर्ण मनोरंजक फिल्म होगी जिसका आनंद सिनेमाघरों में ही लिया जा सकता है।

सम्पादकीय

मैसी के नाम पर 'महाभारत'

फुटबॉल के जादूगर, विश्व चैंपियन खिलाड़ी, लियोनेल मैसी कोलकाता आए और उनके फैन्स ने जो उत्पात मचाया, कमोबेश उसे खेल की दीवानगी तो नहीं माना जा सकता। चूंकि मैसी-प्रेमी अपने चहेते खिलाड़ी की झलक तक नहीं पा सके, उनसे बातचीत करना या ऑटोग्राफ लेना तो बहुत दूर की कौड़ी था, लिहाजा दर्शक भड़क उठे। उन्होंने 'सॉल्ट लेक स्टेडियम' में पानी की बोतलें फेंकी, कुर्सियां उछलीं और तोड़-फोड़ की, होर्डिंग्स फाड़ दिए, तंबू उखाड़ फेंके, आगजनी तक की और मैसी के लिए बनाई 'कैनोपी' तक को नहीं बख्शा। यह दीवानगी के नाम पर अराजकता, गुंडागर्दी थी और आयोजन की अव्यवस्था, प्रबंधनहीनता की पराकाष्ठा थी। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने इसे फुटबॉल प्रेमियों के लिए 'काला दिन' करार दिया है। यह वाकई शर्मनाक रहा। विश्व चैम्पियन कप्तान मैसी मैदान पर एक किक तक नहीं मार पाए, क्योंकि सुरक्षा के घेरे टूटने तक की नौबत आ गई थी। फुटबॉल का जादूगर आया और बिना कोई करिश्मा दिखाए 10 मिनट में ही स्टेडियम से बाहर चला गया। कुछ पल हाथ जरूर हिलाया, लेकिन फैन्स उसे साझा नहीं कर सके। बेशक बहुत कुछ कलंकित हुआ है। भारत 2026 के ओलिंपिक खेल आयोजन की बोलियां लगा रहा है, दावे कर रहा है, लेकिन उसके एक खेल-प्रेमी शहर में खेल के संस्कार ऐसे हैं, जो खेल की दृष्टि से निंदनीय और अस्वीकार्य हैं। कोलकाता अपनी चिरंतन सभ्यता, संस्कृति, भद्रलोक की छवि के लिए विख्यात रहा है। फुटबॉल वहां की दीवानगी है, पागलपन की हद तक है। गली-गली में बच्चे फुटबॉल खेलते दिख जाएंगे। यदि फुटबॉल के विश्व चैम्पियन खिलाड़ी मैसी के सम्मान में 70 फुट ऊंची प्रतिमा का सार्वजनिक अनावरण किया जाना था, तो सबसे बेहतर यह रहता कि उनका कुछ खेल देखा जाता, उन्हें एक सुरक्षित वाहन पर सवार कर स्टेडियम में घुमाया जाता, नेताओं को भी तो घुमाया जाता है, मैसी के प्रशंसक हाथ हिला कर या हाथ जोड़ कर अथवा किसी भी तरह अपने 'करिश्माई खिलाड़ी' का अभिनंदन कर सकते। दुर्भाग्य है कि आयोजक यह तय नहीं कर पाए। कुछ वीआईपी चेहरों, मंत्रियों, स्थानीय प्रतिनिधियों समेत दर्जनों सुरक्षाकर्मियों ने मैसी को इस कदर ढक लिया था कि फैन्स अपने 'हीरो' की झलक तक नहीं पा सके। दर्शकों ने कम से कम 3500 रुपए और अधिकतम 25,000 रुपए के टिकट खरीदे थे। ब्लैक में टिकट 40,000 रुपए तक बेचे गए। वह काला धन किसकी जेब में गया? इस महाभारत ने न केवल बंगाल की छवि को कलंकित किया है, बल्कि देश की खेल मानसिकता को भी बदनाम किया है। हमें याद है कि फुटबॉल के शाश्वत जादूगर रहे मह्मन पेले जब भारत आए थे, तो कमोबेश वह खेल दिखा पाए थे। ऐसी अराजकता और अव्यवस्था तो मैसी के इसी दौरे के दौरान हैदराबाद में नहीं हुई, जहां मैसी ने अपने खेल के कुछ 'जादुई स्पर्श' दिखाए, लेकिन वहां भी यह सवालिया जरूर रहा कि मैसी के साथ सेल्फी खिंचवाने के लिए 10-10 लाख रुपए वसूले गए। क्या फुटबॉल का जादूगर कोई उत्पाद है, जिसकी बोली लगाई गई? मैसी 14 लंबे सालों के बाद भारत आए हैं, जाहिर है कि जिन्होंने पूरे प्रवास का आयोजन किया है, तो उन्होंने मैसी का कुल पारिश्रमिक भी तय किया होगा! मैसी मुंबई में हैं और उन्हें दिल्ली भी आना है।

जेल की दीवारों के भीतर दिव्यांगता: गरिमा, अधिकार और राज्य की जिम्मेदारी

डॉ सत्यवान सौरभ

किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कारागार व्यवस्था केवल अपराध और दंड का प्रतीक नहीं होती, बल्कि वह राज्य की संवेदनशीलता, मानवीय दृष्टि और संवैधानिक प्रतिबद्धता की भी कसौटी होती है। भारतीय संविधान व्यक्ति की गरिमा को सर्वोच्च मूल्य के रूप में स्वीकार करता है और यह गरिमा अपराधी या कैदी बनने के बाद समाप्त नहीं हो जाती। इसी पृष्ठभूमि में सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्देश, जिनमें जेलों में दिव्यांग कैदियों के लिए सहायता, सुविधाओं के ऑडिट और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रभावी अनुपालन पर बल दिया गया है,....

किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कारागार व्यवस्था केवल अपराध और दंड का प्रतीक नहीं होती, बल्कि वह राज्य की संवेदनशीलता, मानवीय दृष्टि और संवैधानिक प्रतिबद्धता की भी कसौटी होती है। भारतीय संविधान व्यक्ति की गरिमा को सर्वोच्च मूल्य के रूप में स्वीकार करता है और यह गरिमा अपराधी या कैदी बनने के बाद समाप्त नहीं हो जाती। इसी पृष्ठभूमि में सर्वोच्च न्यायालय के हालिया निर्देश, जिनमें जेलों में दिव्यांग कैदियों के लिए सहायता, सुविधाओं के ऑडिट और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रभावी अनुपालन पर बल दिया गया है, भारतीय कारागार व्यवस्था की एक गंभीर लेकिन लंबे समय से उपेक्षित सच्चाई को सामने लाते हैं। ये निर्देश इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि कारागारों में बंद दिव्यांग व्यक्ति न केवल स्वतंत्रता से वंचित होते हैं, बल्कि अक्सर अपने बुनियादी मानवीय अधिकारों से भी वंचित रह जाते हैं।

भारतीय जेलें ऐतिहासिक रूप से ऐसे 'सामान्य' शारीरिक और मानसिक मानकों पर आधारित रही हैं, जिनमें दिव्यांगता को एक अपवाद या प्रशासनिक असुविधा के रूप में देखा गया। परिणामस्वरूप, शारीरिक, संवेदी, बौद्धिक या मनोसामाजिक दिव्यांगता से ग्रस्त कैदियों की आवश्यकताओं को जेल प्रशासन के ढांचे में समुचित स्थान नहीं मिल पाया। प्रवेश के समय दिव्यांगता की पहचान और पंजीकरण का अभाव, आवश्यकताओं के आकलन की कमी और अलग से किसी नीति का न होना, इन कैदियों को अदृश्य बना देता है। यह अदृश्यता ही आगे चलकर उपेक्षा, असमान व्यवहार और कभी-कभी अमानवीय स्थितियों में बदल जाती है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश इस स्थिति को बदलने की

दिशा में एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 कारागारों पर भी समान रूप से लागू होता है और 'उचित समायोजन' तथा 'सुलभता' कोई दया या विशेष सुविधा नहीं, बल्कि कानूनी अधिकार हैं। इसके साथ ही, जेल परिसरों में दिव्यांगता संबंधी सुविधाओं का नियमित ऑडिट, स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुँच और कानूनी सहायता के प्रावधान को अनिवार्य मानते हुए न्यायालय ने प्रशासनिक जवाबदेही की नींव रखी है। यह दृष्टिकोण कारागारों को केवल अनुशासनात्मक संस्थान नहीं, बल्कि अधिकार-आधारित सुधार गृह के रूप में देखने की मांग करता है।

वास्तविकता यह है कि भारतीय जेलों में दिव्यांग कैदियों को अनेक स्तरों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सबसे पहली और बुनियादी समस्या सुलभता की है। अधिकांश जेल परिसरों में रैंप, रेलिंग, सुलभ शौचालय, समतल फर्श, स्पर्शनीय पथ या स्पष्ट संकेतकों का अभाव है। व्हीलचेयर उपयोग करने वाले कैदियों के लिए सीढ़ियाँ रोजमर्रा की गतिविधियों को भी असंभव बना देती हैं, जबकि दृष्टिबाधित कैदियों के लिए असमान फर्श और दिशासूचक संकेतों की कमी दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ाती है। यह स्थिति 'समान पहुँच' के संवैधानिक सिद्धांत का सीधा उल्लंघन है। इसके साथ ही, चिकित्सा उपेक्षा एक गंभीर समस्या के रूप में उभरती है। नियमित स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता और सहायक उपकरणों की समयबद्ध व्यवस्था का अभाव दिव्यांगता को और अधिक कष्टदायक बना देता है। कई मामलों में श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, छड़ी या अन्य सहायक साधनों की अनुपलब्धता कैदियों को पूरी तरह दूसरों पर निर्भर बना देती है।

उपचार में विलंब से न केवल दिव्यांगता की तीव्रता बढ़ती है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। संचार संबंधी बाधाएँ इस समस्या को और गहरा कर देती हैं।

श्रवणबाधित कैदियों के लिए सांकेतिक भाषा दुभाषियों का न होना, दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल या ऑडियो सामग्री का अभाव और बौद्धिक या मनोसामाजिक दिव्यांगता वाले कैदियों के लिए सरल भाषा में सूचना की कमी इन सबका परिणाम यह होता है कि वे जेल नियमों, अनुशासनात्मक कार्यवाहियों, कानूनी प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण तंत्र से लगभग कट जाते हैं। यह स्थिति न्याय तक समान पहुँच के अधिकार को कमजोर करती है।

दिव्यांग कैदियों की सामाजिक स्थिति उन्हें और अधिक असुरक्षित बनाती है। भीड़भाड़ वाली बैरकों में वे उपहास, उपेक्षा या हिंसा के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मनोसामाजिक दिव्यांगता वाले कैदियों को अक्सर अनुचित रूप से एकांतवास या कठोर अनुशासनात्मक उपायों का सामना करना पड़ता है, जबकि उनकी स्थिति विशेष देखभाल और उपचार की मांग करती है। इस प्रकार, कारागार का वातावरण उनके लिए दंड से अधिक पीड़ा का स्रोत बन जाता है।

संवैधानिक दृष्टि से यह स्थिति गंभीर चिंता का विषय है। अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है, अनुच्छेद 21 गरिमापूर्ण जीवन की गारंटी देता है और अनुच्छेद 39 न्याय तक समान पहुँच को राज्य का दायित्व बनाता है। ये सभी अधिकार जेल की दीवारों के भीतर भी उतने ही प्रभावी हैं। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 'उचित समायोजन' और 'सुलभता' को कानूनी अधिकार के रूप में स्थापित करता है, जबकि संयुक्त राष्ट्र का दिव्यांगजन अधिकार अभिसमय हिरासत में दिव्यांग व्यक्तियों के संरक्षण और समावेशन की स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करता है। इन मानकों की अनदेखी भारत की संवैधानिक और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं दोनों को कमजोर करती है। इस पृष्ठभूमि में, भारतीय कारागारों को दिव्यांगता-समावेशी बनाने के लिए व्यापक और संरचनात्मक सुधारों की आवश्यकता है। बुनियादी ढाँचे को सार्वभौमिक डिज़ाइन के सिद्धांतों के अनुरूप ढालना अनिवार्य है, जिसमें रैंप, सुलभ शौचालय, रेलिंग, स्पर्शनीय फर्श और स्पष्ट संकेतक शामिल हों। यह सुधार चरणबद्ध रूप से, मौजूदा जेलों में 'रेट्रोफिटिंग' के माध्यम से किया जा सकता है।

निकाय चुनाव में जीत से भाजपा क्यों गदगद, जानिए पूरी इनसाइड स्टोरी

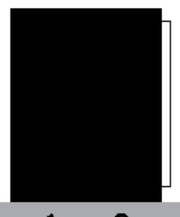

अशोक भाटिया

भाजपा की यह जीत कांग्रेस के लिए भी भारी झटका है तिरुवनंतपुरम सीट से शशि थरूर कांग्रेस के सांसद हैं हाल ही में वे पीएम मोदी की प्रशंसा और कांग्रेस की बड़ी बैठकों से गैरहाजिरी के कारण सुर्खियों में रहे हैंकांग्रेस ने वैसे पूरे राज्य में बेहतर प्रदर्शन किया है ग्रामीण इलाकों की बात करें तो वहां यूडीएफ और एलडीएफ के बीच ही मुकाबला हुआ है लेकिन भाजपा ने शहरी इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत कर इन पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों के लिए खतरे की घंटी जरूर बजा दी है भाजपा ने इस बार त्रिपुनिथुरा नगरपालिका पर जीत हासिल की हैजबकि पालक्कड़ नगरपालिका में एनडीए शुरुआती रुझानों में आगे रहाइस बार राज्य भर में भाजपा 577 वार्डों पर या तो जीती है या बढ़त में रही

केरल के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने चौंकाने वाला प्रदर्शन किया है पार्टी ने राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में निगम पर जीत हासिल कर ली हैउत्तर भारतीय कहे जाने वाली भारतीय जनता पार्टी के लिए यह एक अनपेक्षित सफलता हैभाजपा ने तिरूवनंतपुरम नगर निगम में 101 में से 50 वार्डों में जीत हासिल की यहां सत्तारूढ़ एलडीएफ केवल 29 और कांग्रेस की अगुवाई वाला यूडीएफ 19 सीटों पर सिमट गया दो सीटें निर्दलीयों के खाते में गईं यह राजधानी पर पिछले 45 वर्षों से कायम लेफ्ट फ्रंट के दबदबे के खात्मे की शुरूआत है इस जीत का महत्व इस बात से पता चलता है कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स प्लेटफॉर्म पर इसके लिए कार्यकर्ताओं को बधाई दी है उन्होंने लिखा कि यह जनादेश केरल की राजनीति में एक बॉटरशेड मोमेंट हैलोग यह मानते हैं कि विकास केवल भाजपा गठबंधन ही कर सकता हैहम इस शहर की तरक्की और लोगों के लिए ईज़ ऑफ लिविंग सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं का भी आभार व्यक्त किया उन्होंने लिखा कि कार्यकर्ताओं ने लंबा संघर्ष किया है ।

भाजपा की यह जीत कांग्रेस के लिए भी भारी झटका है तिरुवनंतपुरम सीट से शशि थरूर कांग्रेस के सांसद हैं हाल ही में वे पीएम मोदी की प्रशंसा और कांग्रेस की बड़ी बैठकों से गैरहाजिरी के कारण सुर्खियों में रहे हैंकांग्रेस ने वैसे पूरे राज्य में बेहतर प्रदर्शन किया है ग्रामीण इलाकों की बात करें तो वहां यूडीएफ और एलडीएफ के बीच ही मुकाबला हुआ है लेकिन भाजपा ने शहरी इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत कर इन पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों के लिए खतरे की घंटी जरूर बजा दी है भाजपा ने इस बार त्रिपुनिथुरा नगरपालिका पर जीत हासिल की हैजबकि पालक्कड़ नगरपालिका में एनडीए शुरुआती रुझानों में आगे रहाइस बार राज्य भर में भाजपा 577 वार्डों पर या तो जीती है या बढ़त में रही यह उसके हाशिए से मुख्यधारा में आने का संकेत है शहरी क्षेत्रों में उसका अभूतपूर्व उछाल देखा जा रहा है । केरल में 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने कई लोगों को चौंका दिया था । हालांकि यह उम्मीद थी कि कांग्रेस पार्टी वामपंथियों से बेहतर प्रदर्शन करेगी, लेकिन त्रिशूर से भाजपा उम्मीदवार की जीत पर कई लोगों को

विश्वास नहीं हो रहा था। मलयालम फिल्म जगत के लोकप्रिय अभिनेता और समाजसेवी सुरेश गोपी ने त्रिशूर सीट पर प्रतिद्वंद्वी सीपीआई उम्मीदवार को 74,686 वोटों के बड़े अंतर से हराकर जीत हासिल की। वे कमल के चिन्ह पर केरल से लोकसभा के लिए चुने जाने वाले पहले उम्मीदवार बन गए। भाजपा ने केरल में 1914 प्रतिशत वोट हासिल किए, जो अब तक के किसी भी चुनाव में उसका सबसे अधिक वोट शेयर है। वाम गठबंधन को एक सीट मिली, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) ने 20 में से 18 सीटें जीतीं। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में चुनावी करारी हार के बाद, केरल वामपंथी दलों का आखिरी गढ़ बचा है। वामपंथी गठबंधन 2016 में केरल में सत्ता में आया और 2021 में भी उसने अपनी जीत दोहराई, उस राज्य में सत्ता-विरोधी लहर को मात देते हुए जो हर पांच साल में सरकार बदलने के लिए जाना जाता है। लेकिन घोटालों और भाई-भतीजावाद के विभिन्न आरोपों, सेल शासन और सीपीआईएम द्वारा सरकारी तंत्र पर नियंत्रण के कारण राज्य सरकार के खिलाफ जनभावना में तेजी आई है। सत्ताधारी सीपीआईएम भी कई आंतरिक समस्याओं का सामना कर रही है, जिसके कारण अक्सर उसकी संगठनात्मक संरचना कमजोर हो जाती है। केरल में भाजपा के एक मजबूत ताकत के रूप में उभरने के साथ, यह विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है कि क्या वामपंथी दल अपने अंतिम गढ़ में अस्तित्व के संकट का सामना कर रहे हैं।केरल में शुरू से ही द्विध्रुवीय राजनीति चलती रही है। सीपीआईएम के नेतृत्व वाला वाम लोकतांत्रिक गठबंधन (एलडीएफ) और यूडीएफ राजनीतिक परिदृश्य पर हावी थे, जबकि भाजपा एक अलग तीसरे स्थान पर थी, जिसकी उपस्थिति दक्षिणी केरल में सबसे अधिक महसूस की जाती थी। 2014 में स्थिति तब बदलनी शुरू हुई जब भाजपा उम्मीदवार ओ राजगोपाल तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट पर दूसरे स्थान पर रहे और कांग्रेस के शशि थरूर से 15,470 वोटों के मामूली अंतर से हार गए। लेकिन 2016 के राज्य विधानसभा चुनावों में, भाजपा ने पहली बार नेमोम निर्वाचन क्षेत्र (तिरुवनंतपुरम जिला) में विधानसभा सीट जीती। हर चुनाव के साथ, भाजपा के मतदान प्रतिशत में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। देश के अन्य हिस्सों में भाजपा की अभूतपूर्व वृद्धि केरल में अब तक दो कारणों से नहीं देखी जा सकी है- (द्ध) अल्पसंख्यक आबादी की उच्च सांद्रता (45-50 प्रतिशत) और (द्धद्ध) कम्युनिस्ट दलों की मजबूत उपस्थिति। परंपरागत रूप से, मुस्लिम (केरल की आबादी का 28 प्रतिशत) और ईसाई (18 प्रतिशत) ने सामूहिक रूप से यूडीएफ को वोट दिया, जबकि एझवा (26 प्रतिशत) ने मुख्य रूप से एलडीएफ को वोट दिया। नायर (14 प्रतिशत) भाजपा का एकमात्र वोट बैंक थे। भाजपा जानती थी कि एझवा और ईसाई समुदाय के समर्थन के बिना केरल में सीटें जीतना असंभव है। यह जानते हुए कि एझवा समुदाय एलडीएफ का मुख्य वोट बैंक है, भाजपा ने भारत धर्म जन सेना (बीडीजेएस) नामक एक राजनीतिक दल के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे एझवा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले जाति संगठन श्री नारायण धर्म परिपालन योगम (एसएनडीपी) ने शुरू किया था। तब से, बीडीजेएस भाजपा की सहयोगी रही है।

नए भारत के बढ़ते कदमां के पीछे वैचारिक प्रबुद्धता, योजना और समेकित दृढ़ संकल्प

संजीव ठाकुर

यह भारत के बढ़ते कद के नेपथ्य में कुशल नेतृत्व, सामूहिक चेतना और प्रगतिशील विचारों की उस दीर्घ साधना का फल है, जिसकी जड़ें इतिहास में हैं और शाखाएँ भविष्य तक फैली हुई हैं, भारत आज विश्व-पटल पर केवल एक उभरती शक्ति नहीं बल्कि एक ऐसी निर्णायक उपस्थिति बन चुका है। जिसे अनदेखा करना किसी भी राष्ट्र के लिए संभव नहीं रहा, यह काल किसी एक सरकार, एक व्यक्ति या एक विचारधारा का नहीं बल्कि उस राष्ट्रीय चेतना का है जो सदियों के आत्मसंघर्ष, आत्मचिंतन और आत्मबल से परिपक्व हुई है, मैं स्वयं को किसी राजनीतिक दल का समर्थक नहीं मानता, किंतु यह तथ्य निर्विवाद है कि आज भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा, कूटनीतिक प्रभाव और आत्मविश्वास ऐतिहासिक ऊँचाइयों को छू रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षणों में भारतीय प्रधानमंत्री की लोकप्रियता का आँकड़ा किसी व्यक्ति की प्रशंसा भर नहीं बल्कि उस विश्वास का प्रमाण है जो विश्व समुदाय भारत की स्थिरता, लोकतांत्रिक परिपक्वता और विकास-दृष्टि पर कर रहा है, महात्मा गांधी ने कहा था कि राष्ट्र की वास्तविक पहचान उसकी आत्मा से होती है, और आज भारत की आत्मा विज्ञान, तकनीक, करुणा, सहअस्तित्व और नवाचार के संतुलन से आलोकित दिखाई देती है, डिजिटल इंडिया के माध्यम से जिस प्रकार भारत ने तकनीक को अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँचाया है वह केवल प्रशासनिक सफलता नहीं बल्कि लोकतंत्र के विस्तार की ऐतिहासिक घटना है, विश्व बैंक, आईएमएफ और संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों में भारत को विकासशील देशों के लिए प्रेरणा बताया जाना इस बात का संकेत है कि भारत अब सीखने वाला नहीं बल्कि मार्ग दिखाने वाला राष्ट्र बन चुका है, पंडित जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता के समय कहा था कि हम नियति से साक्षात्कार कर रहे हैं, और आज वह साक्षात्कार एक नए रूप में हमारे सामने खड़ा है, 1951 से आरंभ पंचवर्षीय योजनाओं ने जिस नियोजनशील दृष्टि को जन्म दिया, 1991 के आर्थिक सुधारों ने उसे वैश्विक पंख दिए और नीति आयोग ने उसे नवाचार व प्रतिस्पर्धा की नई दिशा प्रदान की, अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का यह कथन कि विकास का अंतिम उद्देश्य मानव स्वतंत्रता का विस्तार है, भारत की विकास यात्रा में सजीव होता दिखाई देता है, विशाल जनसंख्या जिसे कभी बोझ कहा जाता था आज वही भारत की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरी है, स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को राष्ट्र की रीढ़ बताते हुए कहा था कि उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत, और भारत की युवा शक्ति आज इसी मंत्र को वैश्विक मंच पर चरितार्थ कर रही है, आईटी, सॉफ्टवेयर, अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप संस्कृति में भारत की छलांग यह प्रमाणित करती है कि यह देश केवल संसाधनों का उपभोक्ता नहीं बल्कि विचारों का उत्पादक बन चुका है, सुंदर पिचाई, सत्य नडेला, इंदिरा नूई, अरविंद कृष्णा जैसे वैश्विक नेतृत्वकर्ता भारतीय मस्तिष्क की उसी परंपरा के वाहक हैं जिसे आचार्य चाणक्य ने नीति और विवेक का आधार बताया था, उद्योग जगत में टाटा, अंबानी और मित्तल जैसे नाम यह सिद्ध करते हैं कि भारतीय उद्यमिता अब आत्मविश्वास के साथ विश्व बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रही है, रतन टाटा के शब्दों में जोखिम उठाए बिना प्रगति असंभव है,और भारत ने अब जोखिम से भय नहीं बल्कि अवसर का निर्माण करना सीख लिया है, रक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में पोखरण से लेकर अंतरिक्ष अभियानों तक भारत की उपलब्धियाँ उस वैज्ञानिक चेतना का प्रमाण हैं जिसे डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने विकसित भारत का सपना कहा था, असैन्य परमाणु समझौते और रणनीतिक साझेदारियों ने यह स्थापित किया कि भारत विश्व शांति और संतुलन का उत्तरदायी भागीदार है, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भारत की बहुस्तरीय कूटनीतिचाहे वह अमेरिका हो, रूस, जापान, फ्रांस, अफ्रीका या ऑस्ट्रेलिया वसुधैव कुटुम्बकम् की उस भावना को साकार करती है जिसे भारतीय दर्शन ने सहस्राब्दियों पहले उद्घोषित किया

कोमा, करुणा और संविधान: गाजियाबाद मामला और गरिमापूर्ण मृत्यु का सवाल

सुनील कुमार महला

हमारे देश में इच्छा मृत्यु एक बहुत ही संवेदनशील और जटिल मुद्दा है।इस क्रम में गाजियाबाद का रहने वाला एक परिवार अपने जवान बेटे के लिए सुप्रीम कोर्ट से इच्छामृत्यु मांग रहा है तथा इस संबंध में 11 दिसंबर 2025 को सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एम्स को रिपोर्ट बनाने को कहा है। मीडिया में उपलब्ध जानकारी अनुसार इस संदर्भ में अब अगली सुनवाई 18 दिसंबर को होनी है। पाठकों को बताता चलूं कि इससे पहले गाजियाबाद का यह दंपति दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में ऐसी अर्जी लगा चुके हैं, लेकिन तब इसे खारिज कर दिया गया था। दरअसल, गाजियाबाद की इस दंपति का बेटा साल 2013 में चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहा था और वह हास्टल की चौथी मंजिल से गिर गया था और इसकी वजह से हम कोमा में चला गया। जानकारी के अनुसार गाजियाबाद की इस दंपति के पास अपने बेटे के इलाज के लिए पैसे नहीं हैं, इसलिए वे अपने बेटे के लिए इच्छामृत्यु मांग रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस दंपति के बेटे के एक महीने का मेडिकल खर्च 25-30 हजार रुपए है तथा उसे क्वाड्रिप्लेजिया बीमारी है, जिसमें मरीज फीडिंग ट्यूब और वेंटिलेटर सपोर्ट पर निर्भर रहता है तथा रिकवरी की गुंजाइश न के बराबर होती है।लगभग 13 साल से बिस्तर पर पड़े होने की वजह से इस दंपति के बेटे के शरीर पर बेडसोर्स यानी गहरे घाव बन गए हैं तथा उनकी हालत लगातार खराब होती जा रही है। यह स्थिति स्वयं मरीज के लिए बहुत ही दर्दनाक है तथा परिवार के लिए उन्हें ऐसे देखना मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया है। वेंटिलेटर, दवाइयों, नर्सिंग और देखभाल पर कई साल से इतना खर्च हो चुका है कि परिवार आर्थिक रूप से टूट चुका है और यही कारण है कि परिवार अपने बेटे के लिए न्यायालय से इच्छा मृत्यु मांग रहा है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश के संविधान में यदि हम इच्छा मृत्यु के कानून की बात करें तो वर्ष 2005 में कॉमन कॉज नाम के एक एनजीओ (गैर-सरकारी संगठन) ने पैसिव यूथेनेशिया यानी निष्क्रिय इच्छामृत्यु के अधिकार की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर 9 मार्च 2018 को सीजेआइ दीपक मिश्रा की अगुआई वाली 5 जजों की बेंच ने इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता दी। तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, %अगर किसी मरीज को लाइलाज बीमारी हो या वेजिटेटिव स्टेट में यानी लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर ही जिंदा हो, तो प्राकृतिक तरीके से मृत्यु के लिए उसका इलाज बंद किया जा सकता है। इसे इच्छामृत्यु नहीं, बल्कि सम्मान के साथ मृत्यु का अधिकार माना जाएगा।% यह अधिकार संविधान के आर्टिकल(अनुच्छेद) 21 का हिस्सा है, जिसमें सम्मान से जीने के साथ सम्मान से मरने का अधिकार है। पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मूल अधिकार प्रदान करता है। इसके अनुसार किसी भी व्यक्ति को उसके जीवन या स्वतंत्रता से केवल विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के तहत ही वंचित किया जा सकता है। इसका आशय यह है कि राज्य या कोई भी संस्था मनमाने ढंग से किसी की आज़ादी या जीवन नहीं छीन सकती। सुप्रीम कोर्ट की व्याख्याओं के माध्यम से अनुच्छेद 21 का दायरा समय के साथ व्यापक हुआ है, जिसमें गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार, स्वच्छ पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, निजता तथा जीवन के अंतिम चरण में गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी शामिल माने गए हैं। इस प्रकार अनुच्छेद 21 मानव जीवन की सुरक्षा और सम्मान का संवैधानिक आधार है।

जॉन सीना रिटायरमेंट

मैच 2320 | जीत 1818

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट के दिग्गज रेसलर जॉन सीना ने अपने 23 साल के करियर पर ब्रेक लगा दिया है। उन्होंने 2002 में अपना इस फेमस रेसलिंग कंपनी के साथ करियर शुरू किया था। अब 17 बार के रिकॉर्ड वर्ल्ड चैंपियन ने अपने करियर पर ब्रेक लगाया। हालांकि, उनके करियर का अंत हार के साथ हुआ और गुंथर ने उन्हें आखिरी मुकाबले में मात दी।जॉन सीना के दो दशक से ज्यादा के करियर में शायद ही कभी फैंस ने उन्हें टैप आउट होते देखा होगा। अपने करियर के अंतिम मैच में गुंथर के खिलाफ सीना टैप करके मुकाबला हारे और नम आंखों के साथ उनके तकरीबन 19 हजार फैंस जो एरिना में मौजूद थे उन्हें गुडबाय कहा। जॉन सीना के इस आखिरी मैच के दौरान उन्हें गुडबाय कहने के लिए कई दिग्गज डब्ल्यूडब्ल्यूई के सितारे भी रिंग के आसपास मौजूद थे।

2320 मैचों में 78.4 मुकाबले जीते

अगर जॉन सीना के पूरे रेसलिंग करियर की बात करें तो उन्होंने अपने करियर में 2320 मैचों में अभी तक रेसलिंग की और उसमें से 1818 मैच जीते। उन्होंने अपने करियर में 78.4 प्रतिशत मुकाबले जीते। जबकि सिर्फ 444 मैच वह हारे और 58 मुकाबले ड्रॉ हुए।

डब्ल्यूडब्ल्यूई करियर की बात करें तो जॉन सीना ने मिलाकर कुल 178 फाइट लड़ीं जिसमें से 102 में उन्हें जीत मिली और 73 में हार। जबकि 3 फाइट उनकी ड्रॉ पर समाप्त हुई। वह रिकॉर्ड 17 बार डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन बने जिसमें 14 डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप और तीन वर्ल्ड हेवीवेट चैंपियनशिप शामिल हैं।

● 23 साल का डब्ल्यूडब्ल्यूई करियर, 17 बार बने रिकॉर्ड वर्ल्ड चैंपियन; हार के साथ जॉन सीना के युग का अंत

19000 फैंस, सीना के नाम से गूंजा एरिना

अगर इस आखिरी मुकाबले की बात करें तो डब्ल्यूडब्ल्यूई के एरिना में करीब 19 हजार फैंस मौजूद थे। पूरे माहौल में सिर्फ सीना...सीना की गूंज थी। गुंथर ने जब यह मुकाबला जॉन सीना को टैप आउट करके जीता तो पूरा एरिना सन्नाटे में चला गया था। इसके बाद जॉन सीना खड़े हुए उन्होंने सभी का अभिवादन किया। अपने कंधे के नीचे वाले हाथ के बैंड को और अपने जूतों को उतारकर रिंग पर छोड़कर वह वापस चले गए। मैच के बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई के सभी दिग्गज रिंग में आ गए और रोप के चारों ओर खड़े हो गए। सभी ने सीना को उनके शानदार करियर के लिए बधाई दी। इस मौके पर कर्ट एंगल, मार्क हेनरी और रॉब वैन डैम रिंग साइड पर मौजूद थे। उनके साथ मिशेल मैकूल और ट्रिश स्ट्रेटस भी दिखाई दीं। कोडी रोड्स और सीएम पंक भी दिखे जिन्होंने अपनी बेल्ट सीना को सौंपी और सीना ने उन्हें उठाकर फैंस का अभिवादन स्वीकार किया।

यशस्वी का तूफानी शतक

मुंबई ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे यशस्वी जायसवाल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में एक और यादगार पारी खेलते हुए मुंबई को ऐतिहासिक जीत दिलाई। हरियाणा के खिलाफ सुपर लीग मुकाबले में जायसवाल के विस्फोटक शतक की बदौलत मुंबई ने 235 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज़ दर्ज किया। इस जीत ने न सिर्फ मुंबई की ताकत दिखाई, बल्कि जायसवाल को भारत के सबसे खतरनाक टी20 बल्लेबाज़ों में भी शामिल कर दिया।

हरियाणा का मजबूत स्कोर, मुंबइ के सामने बड़ी चुनौती

सुपर लीग के इस अहम मुकाबले में हरियाणा ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए विशाल स्कोर खड़ा किया। उनके बल्लेबाज़ों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और मुंबई के गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया। 235 रनों का लक्ष्य टी20 क्रिकेट में आसान नहीं माना जाता, खासकर नॉकआउट चरण जैसे मुकाबलों में। लेकिन मुंबई की टीम आत्मविश्वास से भरी हुई थी और डगआउट में मौजूद खिलाड़ियों को भरोसा था कि अगर शुरुआत अच्छी रही, तो मैच पलट सकता है।

यशस्वी जायसवाल का 48 गेंदों में शतक

लक्ष्य का पीछा करने उतरे यशस्वी जायसवाल ने शुरुआत से ही साफ संकेत दे दिया कि यह उनका दिन है। बाएं हाथ के इस ओपनर ने गेंदबाज़ों को कोई मौका नहीं दिया और मैदान के चारों ओर शानदार शॉट्स लगाए। जायसवाल ने महज 48 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जिसमें 16 चौके और एक छक्का शामिल था। यह उनके ञ्20 करियर का चौथा शतक रहा। उनकी टाइमिंग, फुटवर्क और आत्मविश्वास देखने लायक था, जिसने हरियाणा के गेंदबाज़ी आक्रमण को पूरी तरह बेअसर कर दिया।

तेज गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे जायसवाल

अंशुल कंबोज की 13 गेंदों पर उन्होंने 34 रन बटोरे।सुमित कुमार के एक ओवर में उन्होंने सिर्फ 13 गेंदों में 25 रन ठोक दिए।उनकी इस आक्रामक बल्लेबाज़ी ने रन रेट को लगातार मुंबई के पक्ष में बनाए रखा और हरियाणा की रणनीति पूरी तरह बिगड़ गई।

101 रन पर आउट, लेकिन जीत की नींव रख दी

23 साल के जायसवाल 18वें ओवर में 101 रन बनाकर आउट हुए, जब मुंबई जीत से सिर्फ सात रन दूर थी। हालांकि वह शतक के बाद ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके, लेकिन तब तक मैच पूरी तरह मुंबई की पकड़ में आ चुका था। मुंबई ने 15 गेंद शेष रहते चार विकेट से मुकाबला जीत लिया और टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी को और मजबूत कर लिया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज

- लक्ष्य 236 : झारखंड ने 237/4 बनाकर पंजाब को हराया – अंबी, दिसंबर 2025
- लक्ष्य 235 : मुंबई ने 238/6 बनाकर हरियाणा को हराया – अंबी, दिसंबर 2025
- लक्ष्य 230 : मुंबई ने 233/6 बनाकर आंध्र को हराया – हैदराबाद, दिसंबर 2024
- लक्ष्य 227 : पुडुचेरी ने 228/6 बनाकर आंध्र को हराया – मुंबई, जनवरी 2021
- लक्ष्य 223 : बड़ौदा ने 224/3 बनाकर पंजाब को हराया – हैदराबाद, दिसंबर 2025

विराट कोहली का नाम फिर चर्चा में, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ झूठा नॉमिनेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर इन दिनों दावा किया जा रहा है कि विराट कोहली को आईसीसी ओडीआई क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2025 के लिए नामांकित किया गया है। इन दावों के साथ रन, औसत और शतकों के आंकड़ों वाली ग्राफिक्स भी तेजी से वायरल हो रही हैं। हालांकि, हकीकत इससे अलग है और ये दावे भ्रामक हैं। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अभी तक अपने वार्षिक अवॉर्ड्स के लिए किसी भी तरह की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। परंपरा के अनुसार, साल खत्म होने के बाद जनवरी महीने में ही सभी कैटेगरी के लिए शॉर्टलिस्ट जारी की जाती है। यानी कैलेंडर ईयर के दौरान नॉमिनेशन की घोषणा नहीं होती।इस भ्रम की बड़ी वजह विराट कोहली का 2025 में शानदार वनडे प्रदर्शन हो सकता है। कोहली ने इस साल 13 मैचों में 651 रन बनाए हैं, उनका औसत 65.10 रहा है, जिसमें तीन शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 135 रन की पारी और पाकिस्तान के खिलाफ शतक ने भी सुर्खियां बटोरीं। लेकिन शानदार फॉर्म का मतलब यह नहीं कि नॉमिनेशन हो चुका है।सोशल मीडिया पर वायरल सूचियों में 'बैटिंग ऑलराउंडर' और 'बॉलिंग ऑलराउंडर' जैसी कैटेगरी भी दिखाई गई हैं, जबकि अपने वार्षिक अवॉर्ड्स में इस तरह की श्रेणियां नहीं रखता। इससे साफ है कि ये लिस्ट फैन-मेड या अनुमान पर आधारित हैं, आधिकारिक नहीं।

एडिलेड टेस्ट से पहले मैकुलम ने इंग्लैंड टीम की वापसी पर जताया भरोसा

एडिलेड, एजेंसी। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से 2-0 से पीछे चल रही इंग्लैंड टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम सीरीज में शानदार वापसी कर सकती है। उन्होंने कहा है कि अब तक इस सीरीज में हमारे बल्लेबाज पर्याप्त रन नहीं बना पाए हैं, लेकिन ऐसा कभी-कभी हो सकता है। ऑस्ट्रेलिया और इंग?लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज सीरीज का तीसरा टेस?ट मैच 17 दिसंबर से एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। मैच से पहले मैकुलम अपने बल्लेबाजों के साथ मजबूती से खड़े हैं और उन्होंने इसी लाइनअप को बरकरार रखने का संकेत दिया है। आईसीसी के अनुसार मैकुलम ने रविवार को एडिलेड में प्रशिक्षण से पहले कहा कि हमारे दृष्टिकोण से हमारे पास कुछ समय से शीर्ष सात खिलाड़ी हैं और हम इसके साथ काफी हद तक सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये परिस्थितियां हमारे बल्लेबाजों की शैली के अनुकूल होनी चाहिए। हम जानते हैं कि इस सीरीज में अब तक हमने पर्याप्त रन नहीं बनाए हैं। हम कई बार ऐसी स्थिति में थे जहां हम रन बना सकते थे, लेकिन हमने कुछ गलतियां कर दीं और ऐसा कभी-कभी हो सकता है। इस सीरीज को जीतने के लिए हमें पिछले कुछ वर्षों में जो चीजें सफल रही हैं, उन्हें छोड़ने की जरूरत नहीं है। इंग्लैंड कोच ने कहा कि जब हम मैदान में उतरें, तो हमें अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा हो। बिना सोचे-समझे फैसले लेना और तयशुदा बल्लेबाजी लाइन-अप में फेरबदल करना हमारा तरीका नहीं है।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन आईपीएल में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने रविवार को स्पष्ट किया है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने आईपीएल नीलामी में खुद को बल्लेबाज के तौर पर लिस्ट किए जाने का कारण अपने मैनेजर की गलती को बताया है। ग्रीन ने आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन के लिए खुद को एक स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के रूप में रजिस्टर किया है, जबकि वह एक फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में होगा। रविवार सुबह एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के प्रशिक्षण सत्र से पहले ग्रीन ने कहा, 'मैं गेंदबाजी करने के लिए तैयार हूं। मुझे नहीं पता कि मेरे मैनेजर को यह सुनकर अच्छा लगेगा या नहीं, लेकिन उनकी तरफ से कुछ गलती हो गई। उनका मतलब 'बल्लेबाज' कहना नहीं था। मुझे लगता है कि उन्होंने गलती से गलत बॉक्स चुन लिया। यह सब जिस तरह से हुआ वह काफी मजेदार है, लेकिन वास्तव में गलती उनकी तरफ से ही हुई थी। लंबे कद के 26 वर्षीय ऑलराउंडर ग्रीन ने 2023 में मुंबई इंडियंस और 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व किया था। वह नीलामी में हिस्सा लेने वाले सबसे बड़े नामों में से हैं और उनके लिए मोटी बोली लगने की उम्मीद है। ग्रीन का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। पीठ की सर्जरी से उबरने के कारण ग्रीन 2025 सत्र से बाहर रहे थे।

शतक के बाद शतक ठोकने वाले वैभव सूर्यवंशी को चाह कर भी नहीं खिला सकता भारत, 103 दिन तक आईसीसी के नियम में कैद

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए यह साल गजब का रहा। आईपीएल से लेकर अंडर 19 एशिया कप तक... हर एक टूर्नामेंट में सूर्यवंशी ने अपनी छाप छोड़ी। वैभव 6 अलग-अलग टूर्नामेंट/सीरीज में सेंचुरी ठोक चुके हैं। वह शतक पर शतक ठोके जा रहे हैं और रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। उन्होंने सबसे पहले आईपीएल 2025 में सिर्फ 35 बॉल में शतक ठोका था।

इसके बाद भारतीय अंडर 19 टीम के लिए उन्होंने वनडे और टेस्ट में शतक ठोका। फिर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और इंडिया के लिए भी सेंचुरी लगाई। अब एशिया कप अंडर 19 में भी सूर्यवंशी ने सेंचुरी जड़ दी। इसका मतलब है कि सूर्यवंशी का बल्ला जमकर बोल रहा है। लेकिन, टीम इंडिया चाहा कर भी उनको टीम में शामिल नहीं कर सकती। उनको ऐसा करने से आईसीसी का नियम रोकता है। आखिर क्या कहता है आईसीसी का नियम, आइये जानते हैं। आईसीसी के नियम के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए कम से कम उम्र 15 साल होनी चाहिए। 2020 में यह नियम बना था। बता दें कि वैभव अभी 14 साल के हैं और वो अगले साल यानी 2026 में 27 मार्च को 15 साल के होंगे। अभी उनके 15 साल के होने में 103 दिन बाकी हैं। उससे पहले वैभव भारत के लिए नहीं खेल सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में सबकी नजरें वैभव सूर्यवंशी पर होंगी। सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स ने रिटेन कर लिया था। उनको पिछले साल मेगा ऑक्शन में आरआर ने खरीदा था। सूर्यवंशी ने आईपीएल में अब तक 7 मुकाबले खेले हैं और 206.56 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 252 रन बनाए हैं। उनके नाम आईपीएल में 1 शतक और 1 अर्धशतक भी है।

आईपीएल ऑक्शन से 9 खिलाड़ियों का पत्ता साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 16 दिसंबर को होने वाले आईपीएल ऑक्शन से ठीक पहले एक बड़ा फैसला लिया है. बीसीसीआई ने 9 दिसंबर को ऑक्शन के लिए 350 खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की थी लेकिन उसके बाद इसमें कुछ खिलाड़ियों के नाम शामिल किए थे. मगर इन खिलाड़ियों को एक बार फिर ऑक्शन की रेस से बाहर कर दिया गया है. इसमें एक खास नाम स्वास्तिक चिकारा का है, जो पिछले साल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का हिस्सा थे, जबकि झारखंड के स्टार बल्लेबाज विराट सिंह और त्रिपुरा के धाकड़ ऑलराउंडर मणि शंकर मूरासिंह के नाम भी काट दिए गए हैं. एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि ऑक्शन के लिए 350 खिलाड़ियों की लिस्ट जारी होने के बाद भी बीसीसीआई ने 9 नाम इसमें शामिल किए थे. इसमें घरेलू क्रिकेट में अपना जलवा दिखा रहे मणि शंकर मूरासिंह की काफी चर्चा हो रही थी, जिन्हें शुरुआती लिस्ट में जगह नहीं मिली थी. मगर ऑक्शन से 3 दिन पहले ही इन 9 खिलाड़ियों के नाम एक बार फिर आईपीएल की वेबसाइट में ऑक्शन वाले खिलाड़ियों की लिस्ट से गायब हो गए हैं.ऑक्शन की लिस्ट से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में 6 भारत के घरेलू क्रिकेटर हैं, जबकि 3 विदेशी खिलाड़ी हैं, जो अपने-अपने देश के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके हैं. बाहर होने वाले 6 भारतीय खिलाड़ी हैं- विराट सिंह, स्वास्तिक चिकारा, मणि शंकर मूरासिंह, चामा मिलिंद, केएल श्रीजित, राहुल राज नमाला.

आईपीएल 2026 नीलामी में डेविड मिलर बन सकते हैं सबसे बड़े खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी से पहले चर्चाओं का बाजार गर्म है और इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर ने दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज डेविड मिलर को लेकर बड़ा दावा किया है। बांगर के मुताबिक, मिलर अपनी फिनिशिंग स्किल, दबाव में शांत रहने की क्षमता और लंबे ञ्20 अनुभव के चलते इस नीलामी के सबसे महंगे और सबसे ज़्यादा डिमांड वाले खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं। 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली नीलामी में कई फ्रेंचाइज़ी उन पर बड़ी बोली लगा सकती हैं।

संजय बांगर ने बताया कि डेविड मिलर आधुनिक टी20 क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद फिनिशर्स में से एक हैं। मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाज़ी करते हुए मिलर न सिर्फ तेज़ रन बनाते हैं, बल्कि मुश्किल हालात में भी टीम को जीत तक पहुंचाने का दम रखते हैं। बांगर के अनुसार, मिलर का अनुभव उन्हें युवा बल्लेबाज़ों से अलग बनाता है और यही वजह है कि टीमें उन्हें अपनी बैटिंग लाइन-अप का अहम हिस्सा बनाना चाहेंगी।

डेविड मिलर का सबसे बड़ा प्लस पॉइंट उनका शांत स्वभाव है। बड़े लक्ष्य का पीछा हो या आखिरी ओवरों में रन बनाने की ज़रूरत, मिलर अक्सर सही फैसले लेते नजर आते हैं। संजय बांगर का मानना है कि यही गुण उन्हें टी20 क्रिकेट के एलीट फिनिशर्स की सूची में खड़ा करता है। उन्होंने साफ कहा कि मिलर आईपीएल 2026 नीलामी में टॉप तीन सबसे महंगे खिलाड़ियों में शामिल हो सकते हैं।

गुजरात टाइटन्स और केकेआर की नजर मिलर पर

बांगर के मुताबिक, गुजरात टाइटन्स और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमें डेविड मिलर पर खास नजर बनाए हुए हैं। गुजरात टाइटन्सः टीम को मिडिल ऑर्डर में अनुभव और स्थिरता की जरूरत है, जहां मिलर फिट बैठते हैं। कोलकाता नाइट राइडर्सः आंद्रे रसेल के रिटायरमेंट के बाद केकेआर को एक ऐसा बल्लेबाज चाहिए जो डेथ ओवर्स में मैच पलट सके, और मिलर इस रोल के लिए आदर्श विकल्प हो सकते हैं।

अली फजल की नई वेब सीरीज राख का ऐलान, सामने आई अभिनेता की पहली झलक

बॉलीवुड स्टार अली फजल को उनके किरदार मुन्ना भैया के लिए लोग याद करते हैं। उनकी लेटेस्ट सीरीज का अनाउंसमेंट हो गया है। अली फजल की नई सीरीज का नाम होगा राख। इसमें वो एक पुलिस ऑफिसर की भूमिका में दिखाई देंगे। 'राख एक इन्वेस्टिगेटिव क्राइम थ्रिलर है। सीरीज के पहले पोस्टर को आज इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, 'राख से निकलेगा न्याय, नई ओरिजिनल सीरीज प्राइम वीडियो पर 2026 में आएगी। इसके पहले पोस्टर में अली फजल हैरानी से किसी चीज को निहारते दिख रहे हैं। उनकी आंखों में मुन्ना भैया वाला खौफ कम और हैरानी अधिक दिख रही है। इसके बैकग्राउंड में एक पुरानी पुलिस की जीप खड़ी है और साथ में कुछ पुलिस वाले दिखाई दे रहे हैं। वर्दी में अली फजल काफी दमदार दिख रहे हैं। इससे ये कहा जा सकता है कि ये सीरीज भी काफी धमाकेदार होगी। इसमें सोनाली बेंद्रे और आमिर बशीर भी अहम रोल निभाएंगे। पहले पोस्टर को देखने के बाद लोग भी इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। इसे लाइक करते हुए वो इस सीरीज को देखने के लिए उत्साहित दिखे। कइयों ने फायर इमोजी भी शेयर की है। इस सीरीज को प्रोसित रॉय ने डायरेक्ट किया है। इन्होंने ही अनुष्का शर्मा की फिल्म परी को डायरेक्ट किया था। बताया जा रहा है कि इसमें अपराध और न्याय के बीच की मनोवैज्ञानिक जटिलताओं को दिखाया जाएगा। इस सीरीज को एंडेमोल शाइन इंडिया और गुलबदन टॉकीज ने प्रोड्यूस किया है। डायलॉग्स आयुष त्रिवेदी ने लिखे हैं। 'राख साल 2026 में प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इससे पहले अली फजल को अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनों में देखा गया था। इसमें वो एक स्ट्रग्लिंग सिंगर के किरदार में दिखाई दिए थे। अली फजल ने एक पोस्ट में अनुराग बसु की तारीफ करते हुए कहा था, उनके साथ काम करना एक म्यूजिकल सपने जैसा है। उनकी फिल्मों में एक अनोखा जादू होता है। मैं इसका हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। फिल्म में अली फजल और फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह रोमांटिक ड्रामा 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर का धमाका, तीन दिनों में 150 करोड़ पार हुआ वर्ल्डवाइड कलेक्शन

भारत में एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है और इसकी वजह है आदित्य धर निर्देशित स्पाई-एक्शन थ्रिलर 'धुरंधर, जिसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और संजय दत्त जैसे दिग्गज कलाकार एक साथ नजर आए हैं। 5 दिसंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने शुरुआती तीन दिनों में ऐसा तूफान मचाया कि कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड टूट गए। सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि इस फिल्म का जलवा विदेशों में भी देखने को मिल रहा है। फिल्म ने पहले ही दिन 28.60 करोड़ की मजबूत ओपनिंग लेकर यह संकेत दे दिया था कि दर्शक इसे खूब पसंद करने वाले हैं। शनिवार को दर्शकों की भीड़ और बढ़ी और कलेक्शन 33 करोड़ तक पहुंच गया। असली धमाका रविवार को हुआ, जब फिल्म ने लगभग 45 करोड़ का बिजनेस किया, जो इसके ओपनिंग वीकेंड का सबसे बड़ा आंकड़ा रहा। मेकर्स द्वारा शेयर किए गए पोस्टर के मुताबिक फिल्म ने भारत में अब तक 106.50 करोड़ का

कलेक्शन कर लिया। महज तीन दिनों में फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है। इससे पहले इस साल सिर्फ छावा ही ऐसा कर पाई थी। फिल्म के ग्रॉस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने भारत में 125.67 करोड़ कमा लिए हैं। हालांकि सोमवार सुबह तक फिल्म ने लगभग 72 लाख का कलेक्शन जोड़ लिया था। हालांकि वीकडेज में गिरावट आम बात है, लेकिन अगर सोमवार का कुल आंकड़ा भी 20 करोड़ के आस-पास रहता है, तो फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रन की ओर बढ़ सकती है। फिल्म ने सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी शानदार ओपनिंग की है। खासकर अमेरिका-नॉर्थ अमेरिका में, जहां फिल्म ने पहले तीन दिनों में ही 2 मिलियन डॉलर यानी 16.7 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। अगर अब तक खाली ओवरसीज कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने 34.48 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। यानी कुल मिलाकर वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन देखें तो फिल्म 160.15 करोड़ का कलेक्शन कर चुकी है। फिल्म ने ये आंकड़ा सिर्फ तीन दिनों में ही पार कर लिया है। इसी के साथ ही फिल्म धुरंधर ने पहले तीन दिनों में ही रणवीर सिंह की सफल फिल्मों के शुरुआती वीकेंड कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया, जिनमें शामिल हैं- पद्मावत जिसने तीन दिन में 78 करोड़, सिंबा के 75.11 करोड़, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के 46.81 करोड़ शामिल हैं। यानी ये फिल्म रणवीर के करियर की सबसे बड़ी वीकेंड कलेक्शन वाली फिल्म बन गई है।

मेगास्टार चिरंजीवी की फिल्म मन शंकर वरप्रसाद गारू की दूसरा गाना शशिरेखा रिलीज़

हिटमेकर अनिल रविपुडी की डायरेक्ट की हुई फैमिली एंटरटेनर फिल्म मन शंकरा वर प्रसाद गारू, जिसका बेसब्री से इंतज़ार था, संक्रांति 2026 में रिलीज़ होने से पहले ही धूम मचा रही है। शाइन स्क्रीन्स और गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स के तहत साहू गरपति और सुष्मिता कोनिडेला द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म बहुत एक्साइटमेंट से भरी हुई है। टीम का प्रमोशन ज़ोरों पर है, और पहला शानदार सिंगल मीसाला पिल्ला पहले ही चार्टबस्टर बन चुका है। दूसरा सिंगल, ससिरेखा, अब रिलीज़ हो गया है, और यह भीम्स सेसिरोलियो की बनाई एक

दिल को छू लेने वाली धुन है। अनंथा श्रीराम के लिरिक्स एक रोमांटिक सफ़र को खूबसूरती से दिखाते हैं जहाँ प्यार हदों को पार कर जाता है। मधु प्रिया और भीम्स की शानदार आवाज़, भानु मास्टर की शानदार कोरियोग्राफी के साथ मिलकर, गाने को ज़बरदस्त बनाती है। चिरंजीवी और नयनतारा की शानदार केमिस्ट्री, ट्रेडिशनल आउटफिट्स और अनोखी जगहों पर शानदार मूव्स इस गाने के चार्म को और बढ़ा देते हैं। फिल्म में विक्ट्री वेंकटेश और वीटीवी गणेश जैसे स्टार्स की टीम है, जिन्हें एक काबिल टेक्निकल टीम का सपोर्ट मिला है। समीर रेड्डी की सिनेमैटोग्राफी, तम्मीराजू की एडिटिंग और एएस प्रकाश के प्रोडक्शन डिज़ाइन के साथ, माना शंकरा वर प्रसाद गारू एक शानदार विजुअल ट्रीट का वादा करती है। एस. कृष्णा और जी. आदि नारायण ने मिलकर यह कहानी लिखी है, जो एक बड़े त्योहार पर रिलीज़ होने वाली है। जैसे-जैसे हाइप बढ़ रही है, यह संक्रांति 2026 में रिलीज़ होने वाली फिल्म देखने लायक है, जिसमें रोमांस, ड्रामा और एंटरटेनमेंट का मिक्स है। स्टार्स की टीम में मेगास्टार चिरंजीवी, विक्ट्री वेंकटेश, नयनतारा, वीटीवी गणेश शामिल हैं।

अभिनेत्री हेमा पोथाना: रंगों और सपनों की दुनिया में मजबूती से उभरती हुई

सिनेमा की जीवंत दुनिया में एक सितारा उभर कर आया है—निडर, दृढ़निश्चयी और स्व-निर्मित। युवा अभिनेत्री हेमा पोथाना अटूट आत्मविश्वास के साथ, अपने रास्ते की हर बाधा को पार करते हुए, फ़िल्मों में अपना सफ़र जारी रखे हुए हैं। अपनी सुंदरता, प्रतिभा और भावनात्मक गहराई के साथ, वह तेलुगु फ़िल्म उद्योग में एक उज्ज्वल भविष्य गढ़ रही हैं। कम उम्र में ही अपने माता-पिता को खो देने के बावजूद, उन्होंने दुःख को शक्ति में बदल दिया और अपने जीवन को अपने हाथों से आकार दिया। विजयवाड़ा की रहने वाली हेमा अपने व्यक्तित्व के दो विशिष्ट मूल्यों—जिज्ञासा और साहस—को मज़बूती से थामे हुए बड़ी हुईं। माता-पिता के निधन से पैदा हुए खालीपन के बावजूद, उन्होंने दुःख के आगे घुटने नहीं टेके। इस दृढ़ निश्चय के साथ—मैं अपना जीवन खुद बनाऊँगी, वह हैदराबाद आ गईं। इसी साहस ने उन्हें एक महत्वपूर्ण मुकाम दिलाया: 2013 में, उन्हें मिस हैदराबाद का ताज पहनाया गया, जो एक ऐसा मोड़ था जिसने नई शुरुआत के द्वार खोल दिए। सिनेमा के प्रति अपने प्रेम से प्रेरित होकर, हेमा ने टॉलीवुड में कदम रखा और 100त्न लव, चालाकी, कॉफ़ी बार, राज जैसी फिल्मों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। लेकिन ज़िंदगी में एक अप्रत्याशित मोड़ आया। एक भयानक सड़क दुर्घटना ने उनकी दुनिया हिलाकर रख दी, जिससे उनकी हालत इतनी गंभीर हो गई कि डॉक्टरों को भी शक था कि वह ठीक हो पाएंगी। लेकिन हेमा ने हार नहीं मानी। वह फिर से उठ खड़ी हुईं, पहले से कहीं ज़्यादा मज़बूत। इस दुर्घटना ने उन्हें रोका नहीं; इसने उन्हें और भी ज़्यादा दृढ़ निश्चयी बना दिया। अब, हेमा आगामी ग्रामीण विषय पर आधारित फिल्म मैडम में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। भावनात्मक रूप से समृद्ध कहानी और अभिनय की भरपूर संभावनाओं के साथ, वह इस परियोजना के माध्यम से अपने अभिनय कौशल को निखारने और नई ऊँचाइयों तक पहुँचने का लक्ष्य रखती हैं। हालाँकि उन्होंने बिना किसी गॉडफ़ादर के इंडस्ट्री में कदम रखा, लेकिन उनके आत्मविश्वास, लगन, अनुशासन और कड़ी मेहनत ने उन्हें एक के बाद एक मौके दिलाए। दर्शकों की नज़रों में उनके प्रति प्रशंसा लगातार बढ़ रही है। हेमा पोथाना का सफ़र सिर्फ़ एक फ़िल्मी करियर से कहीं बढ़कर है—यह दृढ़ता, साहस और कठिनाइयों से ऊपर उठने की इच्छाशक्ति की कहानी है। हर कदम आगे बढ़ने के साथ, वह सिनेमा जगत में अपनी पहचान बना रही हैं और सफलता की ओर तेज़ी से बढ़ रही हैं।

फरहाना भट्ट ने बिग-बॉस-19 को बताया सबसे बड़ा जैकपॉट, कहा- लोग मुझे प्यार और सपोर्ट कर रहे हैं

कलर्स रियलिटी शो बिग-बॉस-19 ग्रैंड फिनाले की ट्रॉफी अभिनेता गौरव खन्ना ने अपने नाम कर ली है और जम्मू कश्मीर के श्रीनगर की रहने वाली फरहाना भट्ट दूसरे नंबर पर रही हैं। शो के दौरान फराहाना को कई मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए देखा गया। वहीं, घर के दूसरे कंटेस्टेंट से लड़ाई और अपशब्द कहने पर सलमान से डांट भी पड़ी थी, लेकिन इतनी सारी लड़ाई और एक बार बिग बॉस से निकलने के बावजूद फराहाना दूसरे पायदान पर पहुंचीं। हालांकि, ट्रॉफी उनके नाम नहीं आई। फरहाना ने शो को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा जैकपॉट बताया। उन्होने कहा, बिग-बॉस मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा जैकपॉट है। इसने मेरी जिंदगी बदल दी। पहले कश्मीर में मैं एक आम सी लड़की थी, और

मुझे कोई भी नहीं जानता था। आज लाखों लोग मुझे प्यार और सपोर्ट करते हैं। ये आसमान-जमीन का फर्क है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा। फरहाना ने शो को लेकर भी कुछ बातें की। उन्होंने कहा, शो की शुरुआत में लोग मुझे विलेन बना रहे थे और एक वक्त ऐसा आया, जब मुझे खुद लगने लगा कि शायद मैं सच में बुरी हूं, लेकिन जब पता चला कि बाहर लोग मुझे बहुत प्यार और सपोर्ट कर रहे हैं, तो समझ में आया कि हमारी जनता सब देखती है। वो सही-गलत की पहचान करती है। जब ने उनसे पूछा कि वे बाहर निकलने के बाद सबसे पहले क्या करेंगी, इस सवाल का जवाब देते हुए फरहाना ने कहा, सबसे पहले तो मैं अपनी मां के साथ समय बिताऊंगी क्योंकि मैं उन्हें बहुत मिस कर रही हूं। श्रीनगर की रहने वाली फरहाना को भले ही आज कई लोग जानते हैं, लेकिन यहां तक आने के लिए उन्होंने काफी संघर्ष किया है। अभिनेत्री ने इम्तियाज अली की फिल्म लैला मजनू में एक छोटा सा रोल किया था। इसके बाद वे अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन में भी साइड रोल में नजर आई थीं। इसके बाद भी वे फिल्म नोटबुक में भी नजर आई थीं।

कार्थी अभिनीत और स्टूडियो ग्रीन द्वारा निर्मित बहुप्रतीक्षित अन्नागरु वोस्तारु का ट्रेलर

कार्थी अभिनीत बहुप्रतीक्षित मनोरंजक फिल्म अन्नागरु वोस्तारु इस महीने की 12 तारीख को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज़ के लिए तैयार है। प्रतिष्ठित स्टूडियो ग्रीन बैनर तले केई ज्ञानवेल राजा द्वारा निर्मित और नलन कुमारस्वामी द्वारा निर्देशित, जो कहानी को एक एक्शन-कॉमेडी के रूप में प्रस्तुत करते हैं। कृति शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। सशक्त निर्देशक हरीश शंकर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के ज़रिए फिल्म का ट्रेलर जारी किया। उन्होंने ट्रेलर की सराहना करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से मनोरंजक है और सिनेमाघरों में फिल्म देखने की उत्सुकता जगाता है। हरीश शंकर ने अन्नागारु वोस्तारु की पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएँ भी दीं। ट्रेलर में कार्थी को एक मज़ेदार और तीखे हास्यबोध वाले पुलिस अधिकारी के रूप में दिखाया गया है। सिनेमा से उनका जुड़ाव बचपन से ही शुरू हो जाता है, जो उनके व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। उनका मानना है कि पुलिस विभाग को और अधिक सम्मान मिलना चाहिए और वे अपनी वर्दी भी गर्व से सिलवाते हैं। उनका रोमांटिक पक्ष तब

सामने आता है जब वे नायिका से मिलते हैं और उसे प्यार से जॉली टु मीट यू कहकर अभिवादन करते हैं। साथ ही, वे विभिन्न परिस्थितियों में चतुराई और साहस का परिचय देते हैं। जब समाज को सचमुच एक सच्चे नायक की ज़रूरत होती है, तो वे अन्नागरु के रूप में आगे आते हैं। ट्रेलर इस बात को लेकर उत्सुकता जगाता है कि यह पुलिस अधिकारी अन्नागारु में कैसे बदलता है और समाज के लिए क्या करता है। कार्थी की स्क्रीन प्रेजेंस, कॉमेडी टाइमिंग, एक्शन और रोमांस प्रभावशाली हैं। व्यावसायिक पहलुओं के साथ-साथ, उनका अन्नागारू अवतार एक अतिरिक्त आकर्षण बन जाता है। ट्रेलर से पता चलता है कि अन्नागारु वोस्तारु एक संपूर्ण मनोरंजक फिल्म होगी जिसका आनंद सिनेमाघरों में ही लिया जा सकता है।

कार्यालय नगर परिषद मालनपुर, जिला भिण्ड (म.प्र.)

Add-Front of sbi,Ward No.6,Malanpur Distt Bhind (M.P.) Email:- cmomalanpur@mpurban.gov.in

क्रमांक/ई.टेण्डर/निर्माण/2025/2149 मालनपुर, दिनांक. 16/12/25

// ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत एजेंसी एवं ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https: www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य पूर्व EMD	निविदा की अंतिम
1	2025_UAD 468328_1	वार्ड क्र. 01 में प्राइमरी स्कूल से श्री राकेश बरैठा के मकान तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	1.03 माह 2. 12.78 लाख	1. 2000/- 2. 9588/-	14.01.2026
2	2025_UAD 468330 1	वार्ड क्र. 02 में श्री सुनील पाल के मकान से चमेलीबाई के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	1. 03 माह 2. 01.68 लाख	1. 1000/- 2. 3380/-	31.12.2025
3	2025 UAD 468331_1	वार्ड के. 02 में श्री अरविन्द्र शर्मा के मकान से प्रहलाद सिसौंदिया के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	1. 03 माह 2. 01.68 लाख	1.03 माह 2. 3380/-	31.12.2025
4	2025_UAD 468332 1	वार्ड क्रं. 02 में पटवारी बाबा के मन्दिर के सामने से श्री शोभाराम के मकान से होते हुए माता मन्दिर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	1.03 माह 2. 04.33 लाख	1. 2000/- 2. 4337/-	31.12.2025
5	2025_UAD 468333_1	वार्ड क्र. 02 में मैन रोड से श्री होतम सिंह के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	1.03 माह 2.03.85 लाख	1. 2000/- 2. 3852/-	31.12.2025
6	2025_UAD 468329_1	वार्ड क्र. 03 में श्री कदम सिंह के मकान से पलेक्स रोड तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	1.03 माह 2. 13.21 लाख	1. 2000/- 2. 9913/-	14.01.2026
7	2025_UAD_ 468334_1	वार्ड क्र. 03 में श्री अनिल गौड़ के मकान से मुख्यमार्ग तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	1.03 माह 2. 09.58 लाख	1. 2000/- 2. 9589/-	31.12.2025
8	2025_UAD_ 468335_1	वार्ड क्र. 03 में श्री मुकेश श्रोतिया के घर से श्री महेश के मकान तक सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	1.03 माह 2.03.03 लाख	1. 2000/- 2. 3036/-	31.12.2025

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https: www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, प्रथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

श्रीमती रायश्री मुकेश किरार
अध्यक्ष
नगर परिषद मालनपुर भिण्ड

श्री सैयद रिपने अली जैदी
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद मालनपुर भिण्ड

बुन्देली गौरव सम्मान समारोह का आयोजन आज

ललितपुर। श्रीलंका में सम्पन्न हुये अन्तर्राष्ट्रीय सहकारी संघ (आईसीए) के निर्वाचन में निर्विरोध निर्वाचित होकर भारतीय सहकारी आंदोलन का स्वर्णिम अध्याय लिखने वाले कृभको चेयरमेन/अन्तर्राष्ट्रीय सहकारी संघ के अध्यक्ष डा.चन्द्रपाल सिंह यादव (पूर्व सांसद) का ललितपुर के झांसी रोड स्थित अमर पैलेस में भव्य सम्मान समारोह एवं सहकारित सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में डा.चन्द्रपाल सिंह यादव को बुन्देली गौरव सम्मान से नवाजा जायेगा। अपराह्न 1 बजे से शुरू होने वाले आयोजन की जानकारी देते हुये पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजेश यादव ने सभी आमंत्रित अतिथियों, बुद्धिजीवियों, विभिन्न राजनैतिक, सामाजिक, स्वयं सेवी एवं सहकारिता संस्थाओं के प्रतिनिधियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी निभाने का आह्वान किया है।

छोटा हाथी टैक्सी से दो भैंसे व एक बछड़ा चोरी करने का आरोप

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, जांच शुरू

ललितपुर। दो दिसम्बर को घर के बाहर बंधी भैंस व उसका बच्चा चोरी हो जाने और टोल पर जाकर जांच करने पर टैक्सी में पहचान करने पर अब पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर कार्यवाही किये जाने की गुहार लगायी है। कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। जानकारी देते हुये सुरईघाट मुक्तिधाम के पास रहने वाले कालूराम कुशवाहा पुत्र स्व. बालचंद्र ने पुलिस को अवगत कराया कि बीती 2 दिसम्बर की को खिरकापुरा हाई-वे स्थित उसके घर के बाहर दो भैंस व एक छोटा भैंस बंधा हुआ था। सुबह करीब 4 बजे जब वह सोकर उठा तो उसने देखा कि मौके पर भैंसें व उसका बच्चा गायब था। खोजबीन करने पर कुछ ही दूरी पर उसने छोटा हाथी नामक लोडिंग गाड़ी के टायरों के निशान देखे और भैंसों को सर्दी से बचाने के लिए उढ़ायी गयीं बोरियां भी वहीं पड़ी मिली। मोहल्ले में काफी खोजबीन करने के बाद जब नहीं मिलीं तो वह विघा महरां स्थित टोल टैक्स पर पहुंचा, जहां उसने जानकारी की तो वहां कार्यरत कर्मचारी ने बताया कि एक छोटा हाथी लोडिंग टैक्सी नम्बर यू.पी.92 ए.टी. 6875 जो कि रात में करीब 3.30 बजे यहां टोल से निकली है, उक्त गाड़ी में 2 भैंसे व एक बछड़ा था और वह आगे की ओर गया है। पीड़ित ने टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों में देखकर अपनी भैंसों की पहचान कर ली। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने लोडिंग टैक्सी से अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

भाई बनकर आया दिव्यांग व्यक्ति सोने-चांदी के जेवरात लेकर भागा

महिला की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

ललितपुर। निकटवर्ती ग्राम पनारी के तुलसीनगर निवासी रामवती पत्नी भगवान दीन ने पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि बीती 13 दिसम्बर को सुबह करीब 11 बजे एक अंजान व्यक्ति उसके घर आया और उसका भाई होने का दावा करते हुये उसके घर आकर बैठ गया। बताया कि उक्त व्यक्ति दोनों पैर से दिव्यांग है, जो कि अन्य युवक जो कि दोपहिया वाहन लेकर आया हुआ था। काफी समय वह ओर उसकी पुत्री दुर्गा घर पर अकेले थे, जिसका फायदा उठाकर उक्त लोग चिकनी-चुपड़ी बातें करते हुये परिवार की जानकारी ली और घुलमिल गया। आरोप है कि बातों ही बातों में उक्त व्यक्ति उनके घर में रखे सोना-चांदी के आभूषण देखने के लिए मांगे, जिस पर उसने भरोसा करते हुये चार तोला सोना आभूषण, तीन मंगलसूत्र व आधा किलो चांदी के आभूषण में एक करधोनी व दो जोड़ी पायलें लाकर दिखा दिये। इसके बाद उक्त व्यक्ति ने पीने के लिए पानी मांगा। वह जैसे ही पानी लेने गयी तो उक्त लोगों ने उसके आभूषण रख लिये और जिस कपड़े में रखे थे, उसमें पत्थर रखकर रस्सी जैसी वस्तुएं लपेट कर उसे दे दीं। उक्त लोग पानी पीकर वहां से रफूचक्कर हो गये। कुछ समय बाद जब उसने कपड़ा खोला तो उसके होश फाख्ता हो गये। आरोप है कि उक्त व्यक्ति के उसकी पुत्री ने मोबाइल से दो तस्वीरें भी खींची, जो कि साक्ष्य के रूप में मौजूद हैं। पीड़िता ने यह भी बताया कि उक्त व्यक्ति उसके घर पहले सिलाई मशीन भी सुधारने आ चुका है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 316 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

टैंकर चालक की लापरवाही से टकराई थी शिक्षिकाओं से भरी मारूति वैन

मृतक शिक्षिका के पति की तहरीर पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

ललितपुर। महानगर झांसी के थाना सीपरी बाजार अंतर्गत म.नं. 01 रसबहार कालोनी व हाल सी-1102 विजन हाइट्स राजघाट कालोनी निवासी प्रशान्त सुन्दरानी पुत्र स्व. गोपी सुन्दरानी ने तालबेहट थाना पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। बताया कि उसकी धर्मपत्नी ज्योति लाल सुन्दरानी जो कि प्राथमिक विद्यालय दिगारा तालबेहट में शिक्षिका के पद पर कार्यरत थी। बताया कि 10 दिसम्बर को सुबह करीब 9 बजे उसकी धर्मपत्नी ज्योति लाल व उनके साथ 5 अन्य महिला शिक्षिका वाहन संख्या यू.पी.93 बी.जी. 4379 से स्कूल जा रहीं थीं। तालबेहट माताटीला रोड पर टैंकर संख्या एम.पी.17 एच.एच. 4639 बिना किसी संकेत के रोड पर खड़ा हुआ था। दुर्घटना टैंकर चालक की लापरवाही से टैंकर खड़ा करने से हुयी। इस दुर्घटना में उसकी पत्नी ज्योतिलाल सुन्दरानी को गंभीर चोटें आयीं, जिन्हें घायलावस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तालबेहट में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें हायर सेंटर झांसी रेफर किया गया। जहां उपचार के दौरान ज्योति लाल सुन्दरानी की मौत हो गयी। इसी घटना में एक अन्य शिक्षिका आरती शर्मा की तालबेहट सीएचसी में मृत्यु हो गयी थी। वहीं चार महिला शिक्षिकाओं में सुभाषिनी साहू, आरती साहू, आरती पटेल व पूनम त्रिपाठी के अलावा चालक हरीसिंह घायल हो गये थे। सभी घायलों का उपचार झांसी में चल रहा है। पुलिस ने प्रशान्त सुन्दरानी की तहरीर पर टैंकर चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 125 (ए), 125 (बी) व 106 (1) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

भाजपा द्वारा मनरेगा का नाम बदलना एक साजिश- कान्ह जी

केंद्र सरकार को महात्मा गांधी के नाम से इतनी नफरत क्यों

गांधी और गांधीवाद को खत्म करने की साजिश बलिया ब्यूरो चीफ ओम प्रकाश पाण्डेय बलिया।समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष/प्रवक्ता सुशील कुमार पाण्डेय %कान्हजी% ने केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलने की चल रही सा?िश की क?ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह कृत्य गरीबों और ग्रामीण मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला है और भाजपा सरकार की गरीब विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। गांधी के नाम से नफरत करने वाले लोग देश में गांधीवाद और गांधी के नाम को खत्म करने की साजिश कर रहे है। जिसमें वह कभी भी सफल नहीं हो सकती।

कान्हजी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार मनरेगा का नाम बदलकर जनता के बीच महात्मा गांधी की विरासत और इस योजना की मूल भावना को खत्म करना चाहती है। यह एक राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित कदम है। मनरेगा ग्रामीण भारत की रीढ़ है,जो करोड़ों लोगों को न्यूनतम आजीविका और रोजगार का अधिकार प्रदान करती है। उन्होंने कहा, ÷भाजपा सरकार लगातार मनरेगा के बजट में कटौती कर रही है और अब नाम बदलकर इस योजना को कमजोर करने की कोशिश कर रही है, जो सीधे तौर पर गरीब विरोधी है।÷ समाजवादी पार्टी मांग करती है कि केंद्र सरकार तुरंत इस तुगलकी फैसले को रोके और मनरेगा के मूल नाम तथा ढाँचे से किसी भी प्रकार की छेढ़छाढ़ न करे।जिला प्रवक्ता सुशील कुमार पाण्डेय कान्हजी ने चेतावनी दी है कि यदि भाजपा सरकार अपनी हरकतों से बा? नहीं आई, तो समाजवादी पार्टी इस मुद्दे को लेकर जनता के द्वार जाएगी।साथ ही उन्होंने कहा कि सपा गरीबों के हक और गांधी के नाम को किसी भी कीमत पर छिनने नहीं देगी।

सुशील कुमार पाण्डेय कान्हजी ने कहा- ÷मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं है, यह करोड़ों ग्रामीण परिवारों के लिए भरोसे और सम्मान की गारंटी है। भाजपा सरकार को यह समझना चाहिए कि नाम बदलने की राजनीति से पेट नहीं भरता, बल्कि

सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इंटर कॉलेज महरौनी में भव्यता के साथ संपन्न हुआ 'सप्त शक्ति संगम-2025'

महरौनी।सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, महरौनी में सप्त शक्ति संगम-2025 का आयोजन अत्यंत गरिमामय, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, कुटुंब प्रबोधन एवं सामाजिक समरसता के संदेश के साथ आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र की महिलाओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सोनाली जैन अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, ललितपुर रहीं, जबकि अध्यक्षता नीलम दुष्यंत बड़ौनिया अध्यक्ष, नगर पंचायत महरौनी ने की। मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती आस्था चतुर्वेदी (शिक्षिका) ने समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर प्रेरक विचार रखे। विशिष्ट अतिथियों में श्रीमती रश्मि मलैया (अध्यक्ष, जैन महिला समाज महरौनी),

सपना सिंघई एवं रिमी सर्राफ उपस्थित रहीं।कार्यक्रम में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने भैया-बहनों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। उनकी मनमोहक एवं अनुशासित प्रस्तुतियों ने संस्कार, संस्कृति और शिक्षा के समन्वय को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक सहयोग, नारी शक्ति तथा समाज के सर्वांगीण विकास में महिलाओं की निर्णायक भूमिका जैसे विषयों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अध्यक्ष नीलम बड़ौनिया द्वारा उपस्थित महिलाओं को सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु संकल्प भी दिलाया गया, जिसे सभी ने उत्साहपूर्वक स्वीकार किया।

कार्यक्रम का संचालन कु. रक्षा जैन (आचार्या, सरस्वती शिशु मंदिर) ने कुशलता एवं प्रभावपूर्ण शैली में किया। कार्यक्रम की सहसंयोजिका श्रीमती जयलक्ष्मी (आचार्या, सरस्वती शिशु मंदिर महरौनी) ने आगंतुक अतिथियों एवं महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।इस आयोजन में लगभग 400 महिलाएं उपस्थित रहीं। विद्यालय के सभी आचार्य एवं आचार्या बहिनों का सहयोग प्रशंसनीय रहा, जिनके समर्पण एवं टीमवर्क से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान ज्ञानेंद्र कुमार जी के मार्गदर्शन में सुचारु रूप से संपन्न हुआ। अंत में प्रधानाचार्य जी ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, सहभागियों एवं सहयोगियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए ऐसे आयोजनों को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

जल चढ़ाने गयी पुत्री को पड़ौसी पर भगा ले जाने का आरोप

ललितपुर। सदर पुलिस चौकी अंतर्गत एक मोहल्ला में रहने वाली महिला ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि उसकी 20 वर्षीय पुत्री बीती 15 दिसम्बर को सुबह करीब 6.30 बजे मोहल्ले में बने मंदिर में जल चढ़ाने के लिए गयी हुयी थी। देर दोपहर तक जब वह जल चढ़ाकर वापस नहीं लौटी तो उसने पुत्री को इधर-उधर मोहल्ले में, रिश्तेदारी में फोन लगाकर काफी खोजा, लेकिन वह नहीं मिली। बाद में कुछ मोहल्लेवासियों ने बताया कि पड़ौस में रहने वाले रामअवतार पुत्र स्व.हरदास कुशवाहा उसकी पुत्री को बहला-फुसलाकर अपनी मोटर साइकिल पर भगा ले गया है।

शादी के उद्देश्य से पुत्री को भगा ले जाने का आरोप

ललितपुर। थाना बार अंतर्गत एक गांव में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 14 दिसम्बर को सुबह 7 बजे उसकी 20 वर्षीय पुत्री को गांव में रहने वाला संदीप पुत्र गुलाब बुनकर शादी करने के उद्देश्य से बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने पीड्क्षड़ता की तहरीर पर संदीप के खिलाफ बीएनएस की धारा 87 के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

एकराय होकर दम्पत्ति से मारपीट करने का आरोप

ललितपुर। शहर के मोहल्ला गोविन्दनगर में रहने वाले हुसैन शाह पुत्र चिराग शाह ने पुलिस को लिखित शिकायत की है। बताया कि 15 दिसम्बर की रात करीब 10 बजे पड़ौस में रहने वाले अबी पुत्र वाहिद शाह एवं वाहिद व उसकी पत्नी सायरा ने उसे व उसकी पत्नी को गालियां दीं। विरोध करने पर उक्त लोगों ने मारपीट करते हुये उसके सिर पर प्रहार कर दिया, जिससे वह घायल हो गयी। आरोप है कि उक्त लोग नाली से निकले गंदे पानी को लेकर आये दिन विवाद करते हैं।

24 कुंडी गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा की भव्य कलश यात्रा निकली

महेंद्र शर्मा उप संपादक
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर । अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज के निर्देशन में गायत्री शक्तिपीठ गायत्री नगर तानसेन रोड एवं गायत्री परिवार रचनात्मक ट्रस्ट के तत्वाधान में जागृति महिला मंडल द्वारा दिनांक 16 से 19 दिसंबर 2025 से जी बाय एम सी मैदान पर होने वाले 24 कुंडी गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा की कलश यात्रा कल 16 दिसंबर 2025 को प्रातः 10ः00 बजे से छ्ङ्क स्कूल से प्रारंभ हुई कलश यात्रा में 101 बहने सर पर कलश उठाकर चल रही थी,21 व्यक्तियों का बैंड एक रथ एक पर्यावरण प्रदूषण पर झांकी एवं गायत्री परिवार के युवा गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य प्रबंधक दृष्टि बीके गुप्ता के निर्देशन में हाथ में सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध तक्तियां लेकर चल रहे थे। यह कलश यात्रा नया बाजार लोहिया बाजार एवं दाल बाजार होते हुए यज्ञ स्थल पर दोपहर 12ः00 पहुंची। यदि स्थल पर पहुंचने के बाद कलश यात्रा का स्वागत एवं वंदन किया गया सभी बहनों को प्रसाद वितरण किया गया। यज्ञ स्थल पर ही दोपहर 2ः00 बजे से प्रज्ञा पुराण कथा का व।चन प्रारंभहुआ। इसका व।चन शांतिकुंज से आने वाली पांच बहनों की टोली द्वारा किया गया।

गायत्री शक्तिपीठ के प्रमुख ट्रस्टी बीके गुप्ता ने बताया की इन बहनों के रहने एवं खान की सारी व्यवस्था गायत्री शक्ति पीठ पर रखी गई है। कार्यक्रम संयोजक श्रीमती बबली बंसल एवं गायत्री परिवार रचनात्मक ट्रस्ट के ट्रस्ट ए अशोक गुप्ता ने बताया कि कल प्रातः 8ः00 बजे से 24 कुंडी गायत्री यज्ञ शुरू होगा यज्ञ के प्रारंभ में संगीत में देवों का आवाहन होगा निशुल्क संस्कार संपन्न कराए जाएंगे एवं प्रत्येक पाली में पूर्णाहुति होगी। शाम को 2ः00 से प्रज्ञापूर्ण कथा का वचन होगा ग्वालियर के सभी धर्मप्रे में इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपना आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें।

झांसी मंडल द्वारा स्क्रैप निस्तारण में उल्लेखनीय उपलब्धि,

चालू वित्तीय वर्ष में नवंबर माह तक 32.915 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित

झांसी मंडल रेल प्रबंधक झांसी मंडल अनिरुद्ध कुमार के कुशल निर्देशन में स्क्रैप निस्तारण के क्षेत्र में निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। योजनाबद्ध एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से झांसी मंडल ने चालू वित्तीय वर्ष में उल्लेखनीय राजस्व अर्जित किया है।नवंबर 2025 माह के दौरान झांसी मंडल में कुल 522.115 मैट्रिक टन स्क्रैप निस्तारण हेतु प्रस्तुत किया गया। 01.11.2025 की स्थिति में स्क्रैप का प्रारंभिक शेष 1195.701 मैट्रिक टन था। नवंबर माह में स्क्रैप की बिक्री से मंडल को 3.246 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।चालू वित्तीय वर्ष में नवंबर 2025 तक झांसी मंडल द्वारा कुल 7131.238 मैट्रिक टन स्क्रैप के साथ-साथ 35290 संख्या में पीएससी स्लीपर का निस्तारण किया गया है। इस अवधि में स्क्रैप बिक्री से कुल 32.915 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया जा चुका है।मिशन जीरो स्क्रैप अभियान के अंतर्गत झांसी मंडल द्वारा स्टेशनों, रेलखंडों, कार्यालयों, डिपो, शेड, वर्कशॉप तथा अन्य रेलवे परिसरों से अनुपयोगी सामग्री को चिन्हित कर हटाया जा रहा है। स्क्रैप में अनुपयोगी रेल, रेलपथ सामग्री, कोच, वैगन, पीएससी स्लीपर एवं अन्य लौह सामग्री शामिल हैं। स्क्रैप की बिक्री आईआरपीएस पोर्टल के माध्यम से ई-नीलामी द्वारा की जाती है, जिससे प्राप्त राजस्व का उपयोग रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास एवं सुदृढ़ीकरण में किया जाता है।मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि स्क्रैप निस्तारण से रेलवे परिसरों की स्वच्छता एवं सुरक्षा में सुधार हुआ है तथा परिचालन व्यवस्था अधिक सुरक्षित और सुचारु बनी है। झांसी मंडल भविष्य में भी संसाधनों के समुचित उपयोग के माध्यम से राजस्व वृद्धि और संरक्षित रेल परिचालन के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।

नगर निगम-व्यापार मंडल बैठक में बकाया किराया जमा कराने पर बनी सहमति

झांसी। नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त आकांक्षा राणा की अध्यक्षता में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम के स्वामित्व वाली दुकानों के अवशेष बकाया किराये को जमा कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अपर नगर आयुक्त रोली गुप्ता, सहायक नगर आयुक्त गौरव कुमार तथा व्यापार मंडल की ओर से अध्यक्ष संतोष साहू, कोषाध्यक्ष चौधरी फिरोज, महामंत्री ए.के. सोनी, सर्राफा बाजार अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष सुरेश कुमार, प्रदेश अध्यक्ष संजय पटवारी, चेयरमैन अशोक जैन, विजय जैन, दिनेश जोशी, ओम प्रकाश साहू, शिवांशु श्रीवास्तव, पुरूकेश अमरया, राकेश दुबे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने नगर आयुक्त को आश्वस्त किया कि सभी दुकानदार किराया जमा करने के लिए तैयार हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि बकाया किराये की वसूली के लिए व्यापार मंडल द्वारा दुकानदारों से संवाद कर नगर निगम को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। नगर आयुक्त ने व्यापार मंडल के सहयोग की सराहना करते हुए शीघ्र बकाया किराया जमा कराने की अपील की।

आरएलपीएल साबुन फैक्ट्री में अग्निशमन विभाग का सख्त निरीक्षण, सुरक्षा इंतजामों का लिया जायजा

झांसी। औद्योगिक इकाइयों में बढ़ते अग्नि जोखिम को देखते हुए अग्निशमन विभाग ने सुरक्षा को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। अपर पुलिस महानिदेशक (अग्निशमन एवं आपात सेवा) लखनऊ एवं एसएसपी झांसी के निर्देश पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी राज किशोर राय ने आरएलपीएल साबुन फैक्ट्री का निरीक्षण कर अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन पड़ताल की और कर्मचारियों को आपात स्थिति से निपटने के जरूरी गुर सिखाए। निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री में मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने फैक्ट्री में उपलब्ध स्टाफ को अग्नि से बचाव, आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया एवं सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आग लगने की स्थिति में प्राथमिक कदम, अग्निशमन यंत्रों के सही उपयोग, सुरक्षित निकासी मार्गों तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े आवश्यक दिशा-निर्देश भी बताए। राज किशोर राय ने फैक्ट्री प्रबंधन को निर्देशित किया कि अग्नि सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच, कर्मचारियों का समय-समय पर प्रशिक्षण एवं मॉक ड्रिल अनिवार्य रूप से कराई जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री प्रबंधन एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अग्निशमन विभाग की इस कार्रवाई से औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर जागरूकता बढ़ी है।

फाइलेरिया मुक्त भारत- एनएसएस बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी बन रही युवाओं की ताकत

झांसी। फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में युवाओं की भागीदारी तय करेगी सफलता की राह। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवक आगामी 16 फरवरी के एमडीए अभियान की तैयारियों में जुट गए हैं, ताकि हर घर तक दवा पहुंचाई जा सके। लखनऊ में आयोजित एक दिवसीय एमडीए प्रशिक्षण कार्यक्रम में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी का प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्वेता पाण्डेय के नेतृत्व में शामिल हुआ। कार्यक्रम में हमीरपुर, चित्रकूट, बांदा और जालौन के अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में फाइलेरिया उन्मूलन की वर्तमान स्थिति, सामूहिक दवा वितरण रणनीति और एनएसएस स्वयंसेवकों की निर्णायक भूमिका पर जोर दिया गया। पीसीआई इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर रणपाल सिंह ने कहा कि युवाओं की सक्रिय सहभागिता से ही जनमानस में विश्वास पैदा किया जा सकता है। डॉ. मंजू सिंह ने बताया कि एनएसएस की भागीदारी केवल स्वास्थ्य विभाग का सहयोग नहीं, बल्कि यह सामाजिक आंदोलन का हिस्सा है। घर-घर संपर्क, रैलियाँ और जागरूकता अभियान के माध्यम से युवाओं को इस मिशन की रीढ़ बनाया जाएगा।

अटल जन्म शताब्दी पर भाजपा का बड़ा अभियान, हर बूथ पर पुष्पांजलि, 25 दिसंबर को महाजनसंपर्क

झांसी। आगामी लोकशाही पर्व को मजबूत करने और अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी वर्ष को ऐतिहासिक बनाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी ने जिले भर में व्यापक अभियान की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह के नेतृत्व में भाजपा जिला कार्यालय पर समस्त मंडल पदाधिकारियों एवं मतदाता पुनरीक्षण कार्य में लगे प्रभारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठनात्मक रणनीति और आगामी कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर दिसंबर माह में जिले के प्रत्येक बूथ पर अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि ÷बूथ चलोङ्कमतदाता अभियान÷ 25 दिसंबर तक चलेगा तथा 25 दिसंबर को मतदाता अभियान के तहत बृहद जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने मतदाता पुनरीक्षण कार्य में लगे सभी कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप सभी ने पूरी निष्ठा और मेहनत से इस अभियान को सफल बनाया है। शेष बचे कार्यों को भी प्राथमिकता के साथ शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। मंच पर जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह, नंदकिशोर भीलवारे, करुणेश बाजपेई, शैलेंद्र प्रताप सिंह, अभिषेक जैन, विनोद नायक, जगत राजपूत एवं अंकुर दीक्षित उपस्थित रहे। बैठक में हेमंत खाताल, ओम बिहारी भार्गव, हेमंत पांचाल, प्रमोद कुशवाहा, प्रियांशु दे, मनमोहन गेडा, संजय आनंद, दिनेश प्रताप सिंह, अनिल मिश्रा, प्रवीण समदिया, मनोज गुप्ता, प्रद्युम्न दुबे, अपर्णा दुबे, सुधाकर मिश्रा, हरिमोहन सोनी, हनी साहू, अनिल सेन, अरविंद पुरी, रवि राजपूत, विकास कुशवाहा, रवि पाल, रजनी गुप्ता, रुपेश नायक, प्रेम नारायण साहू, कपिल बरसानिया, अमित सिंह जादौन, अमन मिश्रा, निर्मल कुशवाहा, बृजेंद्र सिंह, दिलीप पुरी, दीपक साहू, अनिरुद्ध दुबे, चित्रांग द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मां और नवजात की सेहत पर फोकस, आकांक्षा समिति की सराहनीय पहल

जन्मदाता मां का स्वास्थ्य व पोषण सर्वोपरि : प्रो. रचना विमल

झांसी। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने की दिशा में आकांक्षा समिति और फॉग्सी संस्था ने संयुक्त रूप से एक सराहनीय पहल करते हुए जिला महिला चिकित्सालय में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान भर्ती प्रसूता महिलाओं को शिशु किट एवं फल वितरित कर स्वस्थ जच्चाङ्कस्वस्थ बच्चा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में आकांक्षा समिति की मण्डलीय अध्यक्षा प्रो. रचना दुबे (विमल) एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रभारी डॉ कुसुम पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में फॉग्सी संस्था झांसी शाखा की अध्यक्षा डॉ अलका सेठी, डॉ विद्या चौधरी, आकांक्षा समिति की उप सचिव एवं वरिष्ठ समाजसेविका डॉ नीति शास्त्री तथा सीएमएस डॉ राजनारायण मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान फॉग्सी संस्था के सौजन्य से आकांक्षा सिलाई केंद्र में निर्मित 25 शिशु किट प्रसूता महिलाओं को वितरित की गईं। किट में नवजात शिशुओं के लिए साफ सूती कपड़े, ऊनी टोपा, मोजे, स्वेटर तथा माताओं के लिए आयरनङ्कफोलिक एसिड एवं कैल्शियम की गोलियां एवं मौसमी फल शामिल थे। अतिथियों द्वारा प्रसूताओं को स्वास्थ्य व पोषण संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. रचना विमल ने कहा कि प्रसव के बाद मां को विशेष देखभाल एवं पोषण की आवश्यकता होती है। उन्होंने आकांक्षा समिति और फॉग्सी संस्था के संयुक्त प्रयासों से महिलाओं के लिए सर्वाइकल कैंसर जांच अभियान संचालित किए जाने की जानकारी भी दी। डॉ कुसुम पांडेय ने कहा कि मां बनना सृष्टि का अनमोल उपहार है। हमारी परंपराओं में प्रसव के बाद मां और शिशु की देखभाल को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती थी।।डॉ अलका सेठी ने प्रसूता महिलाओं से अपील की कि वे नवजात शिशु के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखें। वरिष्ठ समाजसेविका डॉ नीति शास्त्री ने आकांक्षा समिति के उद्देश्यों एवं गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि समिति मातृ स्वास्थ्य सुधार की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। अंत में सीएमएस डॉ राजनारायण ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के उपरांत समिति सदस्यों ने चिकित्सालय के एसएनसीयू, लैब, टीकाकरण कक्ष, ओपीडी, जेएसवाई वार्ड एवं प्रसूता वार्ड का भ्रमण किया। कार्यक्रम में डॉ प्रियंका चौधरी, कौशल कुशवाहा सहित चिकित्सालय स्टाफ एवं प्रसूता महिलाएं उपस्थित रहीं।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478